ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 351 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

26 जून 2026 शुक्रवार

आज का मौसम

32.8 अधिकतम

22.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

तीन क्विंटल की तिजोरी को बाइक पर लाद ले गए चोर

शिवपुरी/ पोहरी। पोहरी थाने के सामने वार्ड-11 के पार्षद अमित उर्फ नीतू शर्मा के सूने मकान में रात चोरो नें धावा बोल दिया। चोरों ने पहले दरवाजे का ताला तोड़ा, फिर घर में प्रवेश किया और वहां लाखों रुपये के जेवर, नगदी समेट कर पौने तीन क्विंटल वजनी तिजारी को पार्षद की बाइक पर ही रखकर ले गए। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पोहरी नगर परिषद में वार्ड-11 के पार्षद अमित उर्फ नीतू शर्मा 13 जून को अपने परिवार के साथ घूमने के लिए बाहर गए हैं। उनके मकान पर ताला लगा हुआ था। इसी क्रम में चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर वहां से अलमारी में रखे जेवरों सहित घर में रखी पौने तीन क्विंटल वजनी तिजोरी व गैलरी में खड़ी पल्सर बाइक चोरी कर ली।

कोलकाता-जयपुर में बारिश इंदौर के 15 टूरिस्ट प्लेस बंद

भोपाल/जयपुर। राजस्थान में मानसून के इंतजार के बीच जयपुर में तेज बारिश हुई। करीब आधे घंटे में हुई 50एमएम बारिश से सड़कें डूब गईं। कई वाहन पानी की वजह से बंद हो गए। कई दुकानों-मकानों में भी पानी भर गया। कोलकाता में भी कुछ ऐसा ही हाल रहा। एक घंटे की बारिश से शहर की मुख्य सड़कों पर एक फीट तक पानी भर गया। कोलकाता के SSKM अस्पताल के अंदर तक पानी घुस गया। इससे मरीज और उनकी देखभाल करने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। बारिश से हादसों की आशंका को देखते हुए मध्य प्रदेश के इंदौर में 15 पर्यटन स्थलों में 22 अगस्त तक एंट्री बंद कर दी गई है।

हरियाणा: बाल्टी में डुबोकर गर्भवती पत्नी की हत्या

फरीदाबाद । हरियाणा के फरीदाबाद जिले के पल्ला थाना क्षेत्र में छह माह की गर्भवती नेहा की हत्या कर दी गई। परिजनों ने पति अमित गुप्ता पर मारपीट कर पानी में डुबोकर मारने का आरोप लगाया। आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जांच कर रही है। पल्ला थाना क्षेत्र की पंचशील कॉलोनी के पार्ट-2 में छह माह की गर्भवती की हत्या के मामले में परिजनों का आरोप है कि काम पर जाने को लेकर हुए विवाद के दौरान पति ने पत्नी से मारपीट की और पानी से भरी बाल्टी में उसका सिर डुबोकर उसे मार डाला। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोलकाता गोदाम हादसे में मृतकों की संख्या 14 हुई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के तारातला इलाके में निर्माणाधीन गोदाम ढहने की घटना में जान गंवाने वालों की संख्या आज बढ़कर 14 हो गई। दुर्घटना के करीब 24 घंटे से अधिक समय के बाद बाद भी बचाव कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार आज सुबह भी मलबे से लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जिसके बाद मलबे से बाहर निकाले गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 19 हो गई है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला... पूछताछ के बाद देर रात हुई गिरफ्तारी

चंपत के करीबी टिन्नू समेत 8 आरोपी शिकंजे में, लंबी रिमांड मांगेगी पुलिस

अयोध्या, एजेंसी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के करीबी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आज सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करेगी। 14 दिनों की रिमांड मांगेगी।

दरअसल, गुरुवार शाम मामले में ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज की गई। इसमें टिन्नू, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव और रमाशंकर मिश्रा को नामजद किया। इनमें अधिकांश चढ़ावा गिनती और दान प्रबंधन से जुड़े रहे हैं।

हालांकि, एफआईआर में चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम शामिल नहीं हैं। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार ने 13 जून को एसआईटी बनाई। एसआईटी ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। संजय प्रसाद ट्रस्ट के पदेन सदस्य भी हैं। इससे पहले सूत्रों से जानकारी सामने आई थी कि एसआईटी ने जांच रिपोर्ट में चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव समेत 17 लोगों को आरोपी माना था। इनके खिलाफ एफआईआर होना लगभग तय माना जा रहा

रमाशंकर उर्फ टिन्नू

था। एसआईटी को जांच के दौरान दानपात्रों की चाबियां टिन्नू के पास मिलीं थी। एसआईटी ने ऐसे करीब 150 सेवादारों और कर्मचारियों को चिह्नित किया था, जिनकी आर्थिक स्थिति में 22 जनवरी, 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बदलाव आया।

विपक्ष मंदिर को बदनाम करना चाहता है: भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावे में कथित हेराफेरी मामले में कहा- विपक्ष के पास केवल आरोप लगाने का काम है। वे श्री राम जन्मभूमि मंदिर को बदनाम करना चाहते हैं। विपक्ष जो आरोप लगा रहा है, उससे पहले ही एसआईटी का निर्माण हुआ है। एफआईआर दर्ज की गई है। 8 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है।

योगी बोले- जन आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर कहा, एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है। जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं है। दूध का दूध और पानी का पानी होगा। सीएम योगी ने यह बातें देवरिया के एक कार्यक्रम में कहीं। सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, एक पक्ष कहता था कि राम हैं ही नहीं यानी अयोध्या को भी ये लोग नकारना चाहते थे। लगातार न्यायालय में मुकदमा लड़ते रहे, वकीलों की फौज राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के खिलाफ खड़ी करते रहे और दूसरा पक्ष वो है जो जय श्री राम बोलने पर लाठी और गोली चलाते थे। भगवान राम का नाम लेने पर जो लोग गोली चलाते थे आज वे कहते हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ। अरे तुम हमें आस्था बताओगे? राम नवमी पर दंगा करवाते थे, श्री कृष्ण जन्मोत्सव को प्रतिबंधित करते थे, कांवड़ यात्रा को नहीं निकलने देते थे, दुर्गा पूजा में दंगा करवाते थे... याद कीजिए कांग्रेस ने देश को लूटा ही नहीं था, नोंचा था। बेइमानी और भ्रष्टाचार के कीर्तिमान स्थापित किए थे।

आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच आज, वैभव पर रहेगी नजर

बेलफास्ट, एजेंसी। टी20 विश्व कप के सफल अभियान के बाद भारतीय टीम अब आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में दो मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतरेगी। जिसका पहला मैच आज शाम 6 खेला जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि आज के मैच में वैभव का डेब्यू हो सकता है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से धमाका करते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे।

– विस्तृत खबर पेज 7 पर

रहमान को मिला 'अकादमी ऑफ अचीवमेंट अवार्ड'

मुंबई। ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर. रहमान को वाशिंगटन में आयोजित समारोह में 'एकेडमी आफ अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। रहमान ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की और प्रतिष्ठित फिल्मकार पीटर जैकसन से मिले' गोल्डन प्लेट' पुरस्कार की तस्वीरें भी पोस्ट कीं। उन्होंने कहा कि 'एकेडमी आफ अचीवमेंट अवार्ड' प्राप्त कर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

ईरान का आरोप

नाटो ने जंग में अमेरिका का साथ दिया, इन्हें जवाबदेह ठहराया जाए

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हुए हमले में साथ देने वाले नाटो मेंबर देशों को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ईरान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक नाटो चीफ मार्क रूट ने खुद माना है कि इटली और रोमानिया ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में अमेरिका का साथ दिया था। इन्हें अपने नागरिकों और पूरी दुनिया को बताना चाहिए कि उन्होंने अमेरिका और इजराइल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ इस कार्रवाई का समर्थन क्यों किया। इधर होर्मुज स्ट्रेट में एक कॉमर्शियल जहाज पर किसी अज्ञात हमलावर हथियार से अटैक हुआ। ब्रिटेन की यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस, यानी UKMTO ने इसकी जानकारी दी है। जहाज ओमान के तट के पास था, तभी प्रोजेक्टाइल जहाज के दाहिने हिस्से से टकराया।

केतन अग्रवाल मर्डर केस

सिया की मां बोलीं- बेटी अगर दोषी तो उसे भी किले से नीचे फेंक दो

पुणे, एजेंसी

पुणे में मंगतेर केतन अग्रवाल मर्डर केस में सिया गोयल की मां पूजा गोयल ने कहा कि इस मामले में कोई भी दोषी है तो उसे सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अगर मेरी बेटी दोषी है, तो उसे भी उसी जगह से नीचे फेंक देना चाहिए, जहां से केतन को धक्का दिया गया था।' सिया के परिवार ने दावा किया है कि उन्हें चेतन के बारे में कुछ भी मालूम नहीं था। सिया की मां ने कहा, 'सगाई के बाद से सिया सिर्फ केतन से बात करती थी।' वहीं, पिता ने कहा कि उनकी बेटी बहुत ही सीधी-सादी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या 19 साल की लड़की ऐसा कर सकती है? मुझे चेतन के बारे में कुछ नहीं पता, मैंने तो आज तक उसकी शक्ल भी नहीं देखी है और न ही वह कभी हमारे घर आया। दोनों परिवारों के बीच सालों पुराने और अच्छे रिश्ते थे। सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हो गई। सिया पर अपने बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी के साथ मिलकर मंगेतर की हत्या करने का आरोप है।

वेनेजुएला का विनाशकारी भूकंप

अब तक मौतों का आंकड़ा पहुंचा 235 पर, 4300 से ज्यादा घायल

करकस, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 4300 से ज्यादा लोग घायल हैं।

वेनेजुएला में बुधवार को साल 1821 के कारोबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मलबे के अंदर से आवाजें आ रहीं हैं। सरकार ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है। इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है।

मप्र राज्य सहकारी बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव बोले-

'मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने का षड्यंत्र'

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने कांग्रेस पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए उनकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है, जबकि तथ्य इसके विपरीत हैं।

महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि हाल ही में एक समाचार चैनल पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं स्पष्ट किया है कि उनके एवं उनके परिवार की सभी संपत्तियां छात्र जीवन तथा उसके बाद स्थापित किए गए व्यवसाय से अर्जित की गई हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी संपत्तियों में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश के किसान, गरीब, आमजन, छात्रों एवं समाज के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को गति दे रहे हैं। ऐसे समय में विपक्ष को निराधार आरोप लगाने के बजाय प्रदेश के विकास में सकारात्मक सहयोग देना चाहिए, जिससे प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की नकारात्मक राजनीति प्रदेश के सौहार्दपूर्ण वातावरण को प्रभावित करती है और विकास की गति पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वह जनहित और प्रदेश के विकास को प्राथमिकता देते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक राजनीति का परिचय दे।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

जब केस शुरू हुआ तब पैदा भी नहीं हुए थे फैसला सुनाने वाले जज

सुप्रीम कोर्ट ने सुलझाया 70 साल पुराना भूमि विवाद

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक ऐसे अनोखे भूमि विवाद पर अपना अंतिम फैसला सुनाया है, जो देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल का गवाह रहा है। इस 70 साल पुराने मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की जिस पीठ ने की, उसमें जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एन.वी. अंजारिया शामिल थे। दिलचस्प बात यह है कि साल 1957 में जब यह विवाद सेल डीड से शुरू हुआ था, तब इन दोनों जजों का जन्म भी नहीं हुआ था।

यह दशकों पुराना विवाद हरिद्वार के नरसीपुर कलां गांव की 15.5 बीघा जमीन से संबंधित था। इस जमीन को अपीलकर्ता शराफत अली के पूर्वजों ने 4 जून 1957 को एक सेल डीड के माध्यम से खरीदा था।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ट्रायल कोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट के पिछले फैसलों को पलटते हुए पुरानी सेल डीड को पूरी तरह से वैध करार दिया है और अपीलकर्ताओं को जमीन का असली मालिक माना है।

जमीन की खरीद के समय शराफत अली के पूर्वज नाबालिग थे, जिसका सीधा अर्थ है कि यह संपत्ति उनके पिता द्वारा खरीदी गई थी। इस मामले की लंबी कानूनी यात्रा के दौरान खुद शराफत अली का भी निधन हो गया, और अंततः उनके कानूनी उत्तराधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट में यह लड़ाई लड़ी। इस प्रकार, एक ही परिवार की चार पीढ़ियां इस मुकदमेबाजी में उलझी रहीं। जस्टिस मिश्रा ने मामले का सार बताते हुए कहा कि यह विवाद म्यूटेशन की कार्यवाही से शुरू होकर यूपी जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार अधिनियम, 1950 और चकबंदी प्रक्रियाओं तक पहुंचा। हालांकि, निचली अदालतों और अन्य मंचों पर अपीलकर्ताओं को निराशा ही हाथ लगी, जिसके बाद उन्हें न्याय के लिए शीर्ष अदालत की शरण लेनी पड़ी।

राजस्व विभाग में समझौतों का लंबा दौर

शुरुआत में जब खरीदार के नाम पर जमीन के म्यूटेशन की प्रक्रिया चल रही थी, तब विक्रेता ने आपत्ति जताई थी, लेकिन बाद में राजस्व अधिकारियों को म्यूटेशन करने की अनुमति देने के लिए इसे वापस ले लिया। कुछ समय बाद जब गांव में चकबंदी की कार्यवाही शुरू हुई, तो अपीलकर्ताओं ने पाया कि रिकॉर्ड में मालिक के रूप में उनका नाम दर्ज नहीं है और जमीन अभी भी विक्रेता के नाम पर ही है।चकबंदी अधिकारी ने पुराने म्यूटेशन रिकॉर्ड के आधार पर अपीलकर्ताओं को केस दर्ज किया।

स्मार्ट मीटर के नाम पर 'बिजली का झटका'

शहर में बिना सहमति मीटर बदलने के आरोप 1500 रुपए का बिल सीधे 16 हजार के पार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी बंद कमरों में बैठकर आंकड़ेबाजी कर रही है कि स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को फायदा हो रहा है, लेकिन जमीन पर यह 'फायदा' उपभोक्ताओं के लिए झटका साबित हो रहा है। जमीनी हकीकत यह है कि कंपनी के इन कथित दावों की आड़ में आम जनता को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और उनके घरेलू बजट की धज्जियां उड़ गई हैं।

बिना अनुमति बदले मीटर

अवधपुरी और विद्या नगर के उपभोक्ताओं का आरोप है कि उपभोक्ताओं के कड़े विरोध और बिना किसी पूर्व लिखित सूचना के पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगा दिए गए। नतीजा यह हुआ कि लोगों के मासिक बिल सीधे दोगुना हो गए और कई घरों में तो सीधे 16 हजार रुपये तक के बिल भेजकर कंगाली की कगार पर खड़ा कर दिया गया है। शिकायतों की फाइलें खुलती रहीं, लेकिन राहत नहीं मिली। अब सवाल यह है कि आखिर स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए हैं या फिर जेब पर अतिरिक्त बोझ डालने के लिए।

बिजली उपभोक्ता अधिकार

विद्युत अधिनियम 2003 और केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के 'उपभोक्ता अधिकार नियम 2020' के तहत बिजली उपभोक्ताओं के लिए स्पष्ट कानूनी सुरक्षा तंत्र तय किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट और नियामक आयोगों के अनुसार, किसी भी परिसर में

मीटर बदलने से पहले उपभोक्ता को स्पष्ट लिखित सूचना और प्रक्रिया की जानकारी देना अनिवार्य है। बिल में कोई गड़बड़ी है तो उपभोक्ता को शिकायत दर्ज कराने और 'चेक मीटर' के जरिये उसकी निष्पक्ष जांच कराने का पूरा कानूनी अधिकार है। विवादित बिलों का एक निश्चित समयसीमा के भीतर समाधान करना बिजली कंपनी की जिम्मेदारी है।

कई मामले आए सामने...अवधपुरी: विरोध के बावजूद बदले मीटर

अवधपुरी स्थित सौम्या पार्कलैंड के रहवासियों का आरोप है कि उन्हें बिना पूर्व सूचना दिए पुराने बिजली मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगा दिए गए। उपभोक्ताओं ने मौके पर ही इसका विरोध किया, लेकिन उनकी आपत्ति को नजरअंदाज कर मीटर बदल दिए गए। इसके बाद बिजली बिलों में अचानक भारी बढ़ोतरी होने लगी। अंबुज शुक्ला का कहना है कि पहले की तुलना में उनका बिल दोगुना से भी अधिक आने लगा है। उन्होंने लिखित और ऑनलाइन दोनों शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं गरिमा दुबे अरोड़ा बताती हैं पहले उनका बिल करीब 1500 रुपये आता था, जो स्मार्ट मीटर लगने के बाद दोगुने से भी ज्यादा हो गया। उन्होंने 23 जून को बिजली कंपनी की वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। वहीं सुमित श्रीवास्तव का मामला सबसे चौंकाने वाला है। उनका कहना है कि पहले करीब 1500 रुपये का बिजली बिल आता था, लेकिन इस बार उन्हें सीधे 16 हजार रुपये का बिल थमा दिया गया। उन्होंने बिजली कंपनी में आवेदन देने के बाद भी जब कोई समाधान नहीं मिला तो 20 जून को सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई।

विद्या नगर: 3 माह का बिल एक साथ, पेनाल्टी लगी

विद्या नगर के उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली कंपनी ने तीन-तीन महीने का बिल एक साथ जारी कर दिया। सब्सिडी का लाभ भी नहीं मिल सका और ऊपर से पेनाल्टी भी जोड़ दी गई। यहां की निवासी हेमारानी कटारिया का कहना है कि कंपनी की गलती का खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। वहीं कई उपभोक्ताओं का आरोप है कि छह हजार रुपये से अधिक का बिल आने पर शिकायत की गई तो कंपनी केवल करीब एक हजार रुपये की राहत बताकर बाकी राशि जमा कराने का दबाव बना रही है।

मेट्रो कार्पोरेशन के सुरक्षा आयुक्त ने जांची स्पीड

पहली बार दो मेट्रो रैक को एक ट्रैक पर लाकर की सुरक्षा जांच

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सुभाष नगर से एम्स तक चलने वाली मेट्रो के सिग्नलिंग सिस्टम, ब्रेक और गति की जांच गुरुवार को भी की गई। कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी सीएमआरएस नीलाभ्र सेनगुप्ता के साथ आई टीम ने दो रैक को आमने-सामने एक ही डाउन ट्रैक पर लाया। यहां जांच पूरा होने के बाद अब ओके रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट के बाद दूसरी मेट्रो अप ट्रैक पर चलने लगेगी। इससे समय की बचत और स्पीड बढ़ जाएगी। इसके बाद सिग्नलिंग सिस्टम चालू हो जाएंगे। इसके लिए मेट्रो का नया शेड्यूल और टाइमिंग तय होगा। उम्मीद हैकि एक जुलाई में सिग्नलिंग सिस्टम चालू होने के बाद नया शेड्यूल जारी होगा। आज से फिर चलेगी मेट्रो-मेट्रो प्रवक्ता धीरज शुक्ला के अनुसार निरीक्षण एवं परीक्षण आज पूरा हो गया है। 26 जून से मेट्रो फिर से अपने निर्धारित समय पर दौड़ने लगेगी। बता दें कि सुभाष नगर से एम्स के बीच सिग्नलिंग सिस्टम का काम पूरा हो गया है। भोपाल में मेट्रो संचालन की सुस्त रफ्तार को तेज करने बड़ा कदम उठाया है।

मनमोहन चौरे लिखित लघुकथा संग्रह 'अनदेखा कुछ नहीं' लोकार्पित

भोपाल. दोपहर मेट्रो। वरिष्ठ साहित्यकार और भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से सेवानिवृत्त अधिकारी मनमोहन चौरे के लघुकथा संग्रह 'अनदेखा नहीं कुछ' का लोकार्पण स्थानीय हिन्दी भवन में आयोजित अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन एवम् अलंकरण समारोह के भव्य आयोजन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ .देवेन्द्र दीपक, पूर्व निदेशक म.प्र. साहित्य अकादमी भोपाल डॉ. उमेशकुमार सिंह वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश,राकेश शर्मा संपादक वीणा पत्रिका इंदौर साहित्यकार डॉ.मिथिलेश दीक्षित , डॉ.ध्रुव कुमार पटना, श्रीमती ज्योति जैन, श्रीमती कान्ता राय निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन घनश्याम मैथिल 'अमृत' द्वारा किया गया। इस अवसर देश प्रदेश के अनेक लघुकथा लेखक एवं पाठक उपस्थित थे।

क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की हुई 23 वीं बैठक

सुविधाएं बढ़ाने व नई ट्रेनें चलाने दिए सुझाव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे की जबलपुर में सलाहकार समिति की 23 वीं बैठक गुरुवार को हुई। इसमें सदस्यों ने नई रेलगाड़ियां चलाने, फेरे बढ़ाने, रेलवे स्टेशनों पर ठहराव देने सहित यात्री सुविधाएं बढ़ाने के सुझाव दिए। इस अवसर पर महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने पश्चिम मध्य रेल की उपलब्धियों की जानकारी दी। बैठक में उप महाप्रबन्धक मनीष कुमार पटेल ने पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन देकर सदस्यों को जानकारी प्रदान की।

बैठक में महाप्रबंधक सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के भारतीय रेलवे को आधुनिक एवं विश्वस्तरीय परिवहन प्रणाली के रूप में विकसित करने के विजन के अनुरूप पश्चिम मध्य रेल निरंतर आधारभूत संरचना, सुरक्षा, यात्री सुविधाओं एवं परिचालन दक्षता में सुधार कर रही है। पमरे को वर्ष 2025 में ओवरआल दक्षता के लिए गोविंद वल्लभ पंत शील्ड तथा विक्रय प्रबंधन शील्ड से सम्मानित किया गया है।

उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पमरे में छह पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण हो चुका है। वही छह स्टेशन लोकार्पण के लिए तैयार है। अन्य स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य भी प्रगति पर हैं। बैठक में समिति के 28 सदस्य एवं सांसद के 04 प्रतिनिधि सहित कुल 32 लोगों ने हिस्सा लिया। इन सदस्यों में भोपाल से कृष्ण मोहन सोनी, निरंजन वाधवानी, मुकेश अवस्थी एवं नितेश लाल, इटारसी से योगेन्द्र सिंह राजपूत एवं राजा तिवारी समेत प्रतिनिधिगण और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सेमीनार: प्रदेश के खुदरा व्यापार की तबाही पर जताई गई चिंता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

फेडरेशन ऑफ रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एफआरएआई मध्य प्रदेश शाखा ने बुधवार को आधुनिक बाजार में रिटेल इकोसिस्टम की तबाह पर चिंता जताई गई है।

एसोसिएशन ने भदभदा स्थित अटल बिहारी संस्थान में अवैध व्यापार का सामना विषय पर सेमिनार आयोजित किया। इसमें रिटेलर्स, ट्रेड एसोसिएशंस एवं नीति निर्माता एक मंच पर आए और भारतीय रिटेल इकोसिस्टम के समक्ष तेजी से बढ़ते खतरों पर चर्चा की।

इस सेमिनार में जिला अध्यक्ष रवींद्र यति, भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट राम गिरीश द्विवेदी, एमआईसी सदस्य नगर निगम आरके बघेल और स्वतंत्र अधिवक्ता व कानूनी सलाहकार उमेश द्विवेदी शामिल थे।

इस अवसर पर प्रदेश के पथ विक्रेता एकता संघ के अध्यक्ष रत्नेश उपाध्याय ने कहा कि आधुनिक खुदरा बाजार में व्यापार के गलत तौर-तरीकों के बढ़ते चलन से पारंपरिक रिटेलर्स के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा हो रही हैं।

सायबर जालसाजों के धन के स्रोत पकड़ने के बाद बैंक खातों को किया सील

चार आभूषण कारोबारियों से तीन लाख 36 हजार रुपए की धोखाधड़ी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

देश की सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस की असंवेदनशील व्यवस्थाओं को उजागर करने का यह सनसनीखेज मामला है। इन घटनाओं पर भोपाल पुलिस ने पर्दा डाल रखा था। मामला आभूषण कारोबारियों से जुड़ा है जिनसे तीन लाख, 36 हजार रुपए से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी के जेवरात खरीदे गए थे। यह जेवरात सायबर धोखाधड़ी की रकम से ली गई थी। यह रकम कारोबारियों के खातों में आने के कारण उन्हें फ्रीज भी कर दिया गया था।

इनके साथ हुई ठगी: पुलिस के अनुसार आनंद सोनी शाहपुरा स्थित त्रिलंगा में रहते हैं। उनकी दस नंबर मार्केट में सोनी ज्वेलर्स दुकान है। उनकी दुकान में 31 मई की शाम करीब पांच बजे युवक आया। उसने तीन ग्राम वजनी सोने के सिक्के खरीदे। जिसका अलग-अलग दो खातों से भुगतान किया। एक खाते से 50 हजार रुपए और दूसरे से 600 रुपए का भुगतान हुआ। इसी दिन जालसाजों ने दूसरी वारदात राकेश अग्रवाल की दुकान में पहुंचकर अंजाम दी। उनकी भी नुपूर ज्वैलर्स नाम से दस नंबर मार्केट में दुकान है। उनसे छह ग्राम वजनी सोने के सिक्के 95 हजार 858 रुपए में खरीदे गए थे। जिसका भुगतान यूपीआई का बार कोड भेजकर किया गया। देश में इस तकनीक से की जा रही ठगी की वारदातों से हड़कंप मचा हुआ है। इसलिए एमपी सायबर क्राइम के जरिए जल्द आभूषण कारोबारियों के संबंध में लेन-देन से संबंधित सलाह जारी की जाने वाली है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरोह से जुड़ा एक आरोपी को उज्जैन पुलिस ने दबोच लिया है। उसकी तकनीक और उसके नेटवर्क को खंगालने का काम किया जा रहा है। जिसमें हबीबगंज थाना क्षेत्र के दो कारोबारियों का मामला साफ हो गया है।

दो कारोबारी अभी भी चक्कर काट रहे: हबीबगंज पुलिस ने मंगलवार को आनंद सोनी और राकेश अग्रवाल के मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है। लेकिन, अभी भी दो कारोबारी थानों के चक्कर काट रहे हैं। इनमें कोलार रोड स्थित गणेश ज्वैलर्स के संचालक तरुण अग्रवाल हैं। उनकी दुकान में 28 मई को एक युवक आया था। उनसे 300 ग्राम चांदी खरीदकर तीन किस्त में एक लाख रुपए का भुगतान किया गया। इसी तरह रोशनपुरा स्थित आरबी ज्वैलर्स के संचालक श्याम अग्रवाल के साथ भी फर्जीवाड़ा हुआ। उनकी दुकान में छह ग्राम वजनी सोने के सिक्के 90 हजार रुपए में एक व्यक्ति ने लिए। उसने दुकान में काम करने वाले कर्मचारी विनोद मेहर को यूपीआई से भुगतान किया। इन दोनों कारोबारियों के खातों को भी फ्रीज करा दिया गया है।

बदमाशों की नई कार्य योजना का तोड़ नहीं : देश में सायबर जालसाजों पर नकेल लगाने के लिए बैंकिंग और दूरसंचार के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। राष्ट्रीय हेल्प लाइन 1930 में शिकायत के बाद सिम को ब्लॉक करने के अलावा जिन खातों में पैसा गया है उन्हें फ्रीज करने का काम एजेंसियां करती हैं।

पुरानी सीवेज लाइनें बनी परेशानी का सबब, सड़कों पर भरा गंदा पानी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

पुरानी सीवेज लाइनें लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई हैं। हल्की बारिश में ही सीवेज ओवरफ्लो होने से सड़कों पर गंदा पानी भर जाता है और आवागमन प्रभावित होता है।जानकारी के अनुसार क्षेत्र में वर्ष 1984 से 2004 के बीच बिछाई गई सीवेज लाइनें अब जर्जर हो चुकी हैं। बढ़ती आबादी के कारण इन पर दबाव बढ़ गया है, जिससे बार-बार समस्याएं सामने आ रही हैं।स्थानीय पार्षद ने नगर निगम से अमृत-2 योजना के तहत नई सीवेज लाइन बिछाने की मांग की है।

वहीं, बोरबंद गांव अब तक मुख्य सीवेज नेटवर्क से नहीं जुड़ा है, जिसके कारण गंदा पानी सीधे तालाबों में पहुंच रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि मानसून से पहले सीवेज व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

मेट्रो एंकर

भेल कॉलेज में पर्यटन और होटल प्रबंधन पर विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा-

पर्यटन उद्योग में आठ लाख से अधिक नौकरियों की संभावना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत के पर्यटन उद्योग में वर्ष 2026-27 तक लगभग आठ लाख से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार पर्यटन क्षेत्र में गंतव्य स्थल, ठहराव, भोजन और मनोरंजन जैसी मूलभूत सुविधाएं विकसित होने से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बनते हैं। आज के समय में होम स्टे का चलन भी तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर भी रोजगार के नए साधन विकसित हो रहे हैं। इस उद्योग की सफलता पर्यटकों को मिलने वाली संतुष्टि और अनुभव पर निर्भर करती है।

यह विचार को बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल में आयोजित पर्यटन और होटल प्रबंधन में रोजगार अवसर विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में विशेषज्ञों ने व्यक्त किए। गोष्ठी का शुभारंभ मध्यप्रदेश

पर्यटन विकास निगम के पूर्व महाप्रबंधक प्रकाश परिहार ने किया। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को मिलने वाली सुविधाएं ही रोजगार सृजन का आधार बनती हैं।

मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ प्रोफेसर रजनीश जैन ने कहा कि पर्यटन उद्योग में सफलता के लिए पर्यटक की मानसिक संतुष्टि सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पर्यटकों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को समझकर सेवाएं प्रदान करने से बेहतर अनुभव और रोजगार दोनों बढ़ते हैं। पर्यटन विकास निगम के पूर्व उप महाप्रबंधक महेश दीक्षित ने बताया कि इस वर्ष पर्यटन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें फ्रंट ऑफिस डेस्क कार्यकारी, आरक्षण सहायक, अतिथि सेवा सहयोगी, ड्यूटी प्रबंधक और कक्ष विभाग प्रबंधक जैसे पद प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल, इंदौर, सूरत, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में तीन से चार सितारा होटलों के तेजी से विस्तार से नए रोजगार अवसर बन रहे हैं, जिनमें सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं भी शामिल हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन और होटल उद्योग में सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। गोष्ठी में विषय विशेषज्ञ डॉ. ऊषा परिहार ने भी अपने विचार रखे। अंत में पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. आरके शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

आपातकाल की बरसी पर मीसाबंदियों का सम्मान, संघर्षों को किया याद

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'मिशन लोकतंत्र सेनानी' के तहत मीसाबंदी बिहारीलाल लोकवानी, कर्नल नारायण पारवानी और नरेश वासवानी का सम्मान किया गया।

सम्मान समारोह दीपमाला पागारानी पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ, जहां संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने शॉल-श्रीफल भेंट कर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में कर्नल पारवानी ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय बताते हुए कहा कि उस दौर में बिना किसी अपराध के लोगों को जेलों में बंद किया गया और नागरिक अधिकारों का हनन हुआ।

मीसाबंदी नरेश वासवानी ने कहा कि सत्ता बचाने के लिए लागू किए गए आपातकाल में हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेल भेजा गया था। कार्यक्रम के अंत में बिहारीलाल लोकवानी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया।

3 करोड़ की सड़क हाथों से उखड़ रही, मुरैना में ठेकेदार बोला-

कम्पटीशन में ज्यादा बचत नहीं होती, सब इंजीनियर बोले- सब ठीक

मुरैना, दोपहर मेट्रो

मुरैना के पोरसा क्षेत्र में हुसैनपुरा से माधोपुरा तक पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क बनाई जा रही है। लेकिन निर्माण के दौरान ही सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क बनते ही उखड़ने लगी है। उनका कहना है कि सड़क हाथ और पैर से ही उखड़ रही है। इसका वीडियो बनाकर ग्रामीणों ने अधिकारियों को भेजा है। वीडियो सामने आने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया। अब जिम्मेदार अधिकारी कमियों को ठीक कराने की बात कह रहे हैं।

पोरसा क्षेत्र में ग्राम हुसैनपुरा से ग्राम माधोपुरा तक करीब 4 किलोमीटर लंबी डामर सड़क का निर्माण पीडब्ल्यूडी विभाग करा रहा है। विभाग ने इसका ठेका नागाइच कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी ने सड़क की गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा। सड़क बनते ही हाथ और पैर से उखड़ने लगी। ग्रामीणों का कहना है कि डामर के नीचे गिट्टी की जगह केवल मिट्टी दिखाई दे रही है। उनका आरोप है कि सड़क निर्माण में पहले मिट्टी हटाकर गिट्टी बिछानी थी, उसे समतल कर रोलर चलाना था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसी वजह से सड़क आसानी से उखड़ रही है।

पीडब्ल्यूडी की हुसैनपुरा-माधोपुरा सड़क का निर्माण कर रही नागाइच कंट्रक्शन के प्रोपराइटर ठेकेदार रामनिवास शर्मा के अनुसार सड़क ठीक है अगर कोई कमी है तो आप बता दीजिए हम सही करवा देंगे। वैसे भी अब कम्पटीशन में ज्यादा बचत नहीं होती।

तीन करोड़ की लागत से बन रही सड़क

एसडीओ बोले- सब इंजीनियर से बात करें

सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर जब पीडब्ल्यूडी के एसडीओ एल.एन. गुप्ता से इस बारे में पूछा तो उन्होंने पूरा मामला सब इंजीनियर ब्रजेश शर्मा के पाले में डाल दिया और कहा कि अगर कुछ गलत या अच्छा हुआ है तो वहां के जिम्मेदार वही हैं।

सब इंजीनियर बोले- गलत काम का बिल नहीं पास किया जाएगा

पीडब्ल्यूडी पोरसा के सब इंजीनियर ब्रजेश शर्मा ने कहा कि अभी सड़क तो ठीक है कोई कमी है तो हम देख कर उसे ठीक करवाएंगे। गलत बिल पास नहीं करेंगे।

आईईएचई एवं सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ झारखंड के बीच हुआ एमओयू

भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल एवं सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ झारखंड, रांची के बीच गुरुवार को एक एमओयू हुआ है। एमओयू के अंतर्गत रिसर्च स्कॉलर्स एवं फैकल्टी एक्सचेंज, वैज्ञानिक शोध, अकादमिक प्रोजेक्ट्स, सेमिनार, कॉन्फ्रेंस एवं संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। एमओयू से दोनों संस्थाओं के विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स एवं फैकल्टी को लाभ होगा। साथ ही दोनों संस्थाओं के बीच जॉइंट रिसर्च प्रोजेक्ट एवं पेटेंट पर भी कार्य किया जाएगा। इस दौरान आईईएचई संस्थान द्वारा संस्थान की अकादमिक गतिविधि, रिसर्च कार्यों एवं उपलब्धियों के बारे में प्रेजेंटेशन दिया गया। एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थान एक मॉनिटरिंग टीम गठित करेंगे। एमओयू के दौरान सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ झारखंड के कुलगुरु, प्रोफेसर सारंग मेढेकर, रजिस्ट्रार, श्री के. खोसला राव, डीन (आर एंड डी) उपस्थित रहे।

बुजुर्गों और असहाय लोगों का आदर करना हमारा धर्म, सीएम बोले

निर्धन परिवार, वृद्धजन-दिव्यांग साथी स्वयं को न समझें बेसहारा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि घर में बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद होना, तपती धूप में ठंडी छांव के समान होता है। हमारी संस्कृति में बुजुर्गों, असहायों और समाज के सबसे कमजोर वर्ग को आदर देना केवल कर्तव्य नहीं बल्कि हमारा धर्म माना गया है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी कोशिश है कि राज्य का कोई भी निर्धन परिवार, माताएं, बहनें या हमारे दिव्यांग साथी स्वयं को बेसहारा न समझें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अंत्योदय का संकल्प सिद्ध हो रहा है। इसी दिशा में राज्य सरकार भी गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों के कल्याण में जुटी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण के लिए मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम से विभिन्न जिलों के हितग्राही वर्चुअली जुड़े।

मुख्यमंत्री ने 33 लाख 92 हजार 695 से अधिक भाई-बहनों और बुजुर्गों के खातों में माह मई महीने की 203 करोड़ 56 लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, संजय शुक्ला, मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव श्रीमती सोनाली वायंगणकर कार्यक्रम में उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री ने 33 लाख 92 हजार 695 सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में ट्रांसफर किए 203 करोड़ 56 लाख

सामाजिक सुरक्षा पेंशन सरकार के स्नेह, सम्मान और सुरक्षा का वचन

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं है, अपितु निर्धन परिवारों, दिव्यांग साथियों में आपके प्रति सरकार का स्नेह, सम्मान और सुरक्षा का वचन है। राज्य सरकार सभी को अपने परिवार का हिस्सा मानती है। सरकार प्रत्येक नागरिक के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में राज्य सरकार ने किसान हितैषी महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रदेश के किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कर्ज दिया जाएगा और इसे चुकाने की समयावधि 31 मार्च नहीं होगी, बल्कि किसान जिस तारीख को कर्ज लेंगे, उसे अगले 12 माह की अवधि में ऋण भरना होगा।

10 साल में देश के 25 करोड़ से ज्यादा लोग बाहर आए गरीबी से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश का प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहा है। पिछले 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से 80 करोड़ से अधिक लोगों को हर महीने मुफ्त राशन मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, जल-जीवन मिशन, उज्जवला योजना जैसी योजनाओं ने जन-कल्याण का इतिहास लिखा है। राज्य सरकार अधिकांश कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी है। सरकार गरीब, युवा, नारी और किसान कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

आदिवासी अधिकारों पर कांग्रेस का बड़ा दांव

मप्र में बनाई हाई लेवल समिति, जल-जंगल और जमीन के मुद्दों पर फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में आदिवासी समाज से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने बड़ा राजनीतिक कदम उठाया है। पार्टी ने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ आदिवासियों के संवैधानिक और पारंपरिक अधिकारों को मजबूती से उठाने के लिए एक विशेष उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस पहल को प्रदेश में आदिवासी वर्ग के बीच कांग्रेस की सक्रियता बढ़ाने और उनके मुद्दों को संगठित तरीके से उठाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

यह समिति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गठित की गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने समिति के गठन की घोषणा की। पार्टी का कहना है कि यह समिति प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर मौजूद समस्याओं का अध्ययन करेगी और उनके समाधान के लिए ठोस रणनीति तैयार करेगी। कांग्रेस ने समिति में कई अनुभवी और प्रभावशाली नेताओं को शामिल किया है। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता

प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को समिति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह और आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया को भी सदस्य बनाया गया है। इन नेताओं के अनुभव का लाभ लेकर पार्टी आदिवासी क्षेत्रों में अपनी पहुंच मजबूत करना चाहती है।

आदिवासी क्षेत्रों में बढ़ेगी राजनीतिक सक्रियता

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि समिति के गठन के जरिए कांग्रेस आदिवासी बहुल इलाकों में अपनी मौजूदगी और प्रभाव को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी इन मुद्दों को गांव से लेकर विधानसभा तक प्रभावी ढंग से उठाने की रणनीति बना रही है। आने वाले समय में समिति की रिपोर्ट और सुझावों के आधार पर कांग्रेस आदिवासी हितों से जुड़े कई बड़े अभियान भी शुरू कर सकती है।

समिति के प्रमुख कार्य

नई समिति का मुख्य फोकस आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर रहेगा। इसमें जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा, वन भूमि से जुड़े मामलों की निगरानी तथा आदिवासी समुदाय के संवैधानिक अधिकारों को सुनिश्चित करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा समिति वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी और यह पता लगाएगी कि जमीनी स्तर पर कानून का लाभ आदिवासी समुदाय तक किस हद तक पहुंच रहा है। आदिवासी अंचलों में भूमि विवाद और अधिकार संबंधी मामलों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

एमपी ट्रांसको ने लॉन्च किया वेंडर-फ्रेंडली पोर्टल

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि डिजिटल इंडिया अभियान में प्रदेश के ऊर्जा विभाग की भागीदारी को और आगे बढाते हुए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत कंपनी के वेंडर्स और कांट्रेक्टर्स की पारदर्शिता के लिए अत्याधुनिक वेंडर-फ्रेंडली पोर्टल लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से वेंडर्स और कांट्रेक्टर्स अपने बिलों की संपूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाइन और रियल-टाइम में ट्रैक कर सकेंगे। तोमर ने बताया कि वर्तमान में कार्यरत वेंडर्स एवं कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए वर्ष 2022 से इंटरनेट आधारित वेंडर्स पोर्टल संचालित है।

6 जुलाई को पूरा होगा राज्यपाल का कार्यकाल

मंगुभाई पटेल आगे भी गवर्नर रहेंगे या हटेंगे इस पर जल्द फैसला करेंगी राष्ट्रपति मुर्मु

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगु भाई पटेल का कार्यकाल 6 जुलाई को खत्म हो रहा है, उन्हें राष्ट्रपति की ओर से एमपी के राज्यपाल पद पर एक्सटेंशन मिलेगा या किसी नए राजनीतिज्ञ की राज्यपाल पद पर नियुक्ति की जाएगी, इसको लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा होने लगी है। मंगुभाई छगनभाई पटेल भारतीय राजनीतिज्ञ हैं, जो वर्तमान में मध्य प्रदेश के 19वें और वर्तमान राज्यपाल हैं। वे गुजरात से भारतीय जनता पार्टी के नेता रहे हैं। वह वर्ष 2014 में गुजरात विधान सभा के कार्यकारी

उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इससे पहले वे गुजरात सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। मध्यप्रदेश में राज्यपाल रहने के दौरान मंगुभाई ने आदिवासी परिवारों में सिकल सेल बीमारी दूर करने को लेकर खुद प्रयास किए और इसका असर यह रहा कि देश में सिकल सेल बीमारी दूर करने के प्रयासों में एमपी नम्बर वन आया है।

आनंदीबेन दो बार रह चुकी हैं एमपी की राज्यपाल

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मध्य प्रदेश के राज्यपाल की जिम्मेदारी दो बार निभा चुकी हैं। पहली बार वे 23 जनवरी 2018 से 29 जुलाई 2019 तक एमपी की राज्यपाल रहीं। इसके बाद लालजी टंडन 29 जुलाई 2019 से 30 जून 2020 तक राज्यपाल रहे। उनके निधन के बाद 1 जुलाई 2020 से 7 जुलाई 2021 तक यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के पास एमपी के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार रहा।

बीजेपी के 7 लाख वर्कर्स की होगी ऑनलाइन परीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बीजेपी अपने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को चरण बद्ध तरीके से प्रशिक्षण दे रही है। जिला और मंडल स्तर पर बीजेपी के प्रशिक्षण वर्ग पूरे हो चुके हैं। अब बीजेपी बूथ और मंडल के मोर्चा की टीम में शामिल करीब 7 लाख वर्कर्स को डिजिटल लर्निंग सिखाने जा रही है।

बीजेपी की 65 हजार से ज्यादा बूथ समितियों में शामिल कार्यकर्ताओं और मंडल स्तर के 6 मोर्चों की कार्यकारिणी में शामिल पदाधिकारियों को संगठन एप के जरिए डिजिटल लर्निंग यानी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में चार पाठ्यक्रम संगठन एप पर दिए जाएंगे। इनमें बीजेपी की विचारधारा, पार्टी का सफर, नेतृत्व, मोदी सरकार की विकास योजनाएं जैसे चार पाठ्यक्रम शामिल होंगे। कार्यकर्ता अपने मोबाइल पर हर पाठ्यक्रम के वीडियो देखकर उस पाठ्यक्रम से संबंधित शब्दावली के उत्तर ऑनलाइन दर्ज करेंगे। चारों पाठ्यक्रमों के सवाल-जवाब पूरे होने के बाद उनके मोबाइल पर प्रशिक्षित होने का सर्टिफिकेट जनरेट होगा। इस प्रशिक्षण को लेकर सभी जिला अध्यक्षों को कार्ययोजना भेज दी गई है। यह महाअभियान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि 23 जून से शुरू होकर उनकी जयंती 6 जुलाई 2026 तक पूरे 14 दिनों तक चलेगा।

बीजेपी क्यों और कैसे कराने जा रही है यह कोर्स- बीजेपी इस बड़े अभियान को पूरी तरह अचूक बनाने के लिए इसे अपने नियमित कार्यक्रमों से जोड़ रही है। रणनीति के अनुसार, बूथ अध्यक्ष और %मन की बात% प्रभारी यह सुनिश्चित करेंगे कि %मन की बात% कार्यक्रम के तुरंत बाद बूथ समिति के सभी सदस्यों को मौके पर ही संगठन ऐप खुलवाकर डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का प्रशिक्षण पूरा कराया जाए और सर्टिफिकेट डाउनलोड करवाया जाए।

संगठन एप पर देने होंगे सवालों के जवाब फिर मिलेगा डिजिटल लर्निंग सर्टिफिकेट

तीन सदस्यों की टीम भी बनाई

इसके साथ ही, शक्ति केंद्र प्रभारियों और मंडल कार्यकारिणी को सभी बूथों पर प्रवास करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वे हर कार्यकर्ता के स्मार्टफोन में इस प्लेटफॉर्म की जानकारी और ट्रेनिंग सुनिश्चित कर सकें । बीजेपी यह कदम इसलिए उठा रही है ताकि उसका पूरा कैडर कागज-रहित औरहाई-टेक हो सके। इस पूरी व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए जिलों में 1+2 सदस्यों की विशेष डिजिटल प्रशिक्षण टीमें बनाई गई हैं, जिनकी कमान प्रदेश स्तर पर संयोजक शैलेन्द्र बरूआ प्रदेश उपाध्यक्ष और सदस्यों के रूप में राजेन्द्र सिंह, सुयश त्यागी संभाल रहे हैं।

उज्जैन में 637 नव आरक्षकों ने लिया साइबर जागरूकता प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित साइबर जागरूकता अभियान 'सेफ क्लिक 2.0' को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में पुलिस प्रशिक्षण शाला उज्जैन में प्रशिक्षणरत नव आरक्षकों को 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता संबंधी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बुनियादी प्रशिक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 637 नव आरक्षकों को राज्य साइबर पुलिस उज्जैन इकाई के विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा डिजिटल अरेस्ट,

वित्तीय धोखाधड़ी (फाइनेंशियल फ्रॉड), ऑनलाइन ठगी तथा साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकारों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। नव आरक्षकों को साइबर अपराध होने की स्थिति में उपलब्ध सहायता तंत्र, साइबर सुरक्षा संबंधी सावधानियों एवं डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के प्रभावी उपयोग के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणरत नव आरक्षकों ने मानव श्रृंखला बनाकर साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने तथा समाज को जागरूक करने का संदेश दिया।

मेट्रो एंकर | ग्वालियर में विरासत सहेजने की पहल

700 दुर्लभ पांडुलिपियों का हुआ डिजिटल दस्तावेजीकरण

प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का अभियान जारी

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

ग्वालियर जिले में प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। प्रशासन द्वारा संचालित पांडुलिपि सर्वे अभियान के तहत दुर्लभ हस्तलिखित ग्रंथों और ऐतिहासिक अभिलेखों को चिन्हित कर उनका डिजिटल दस्तावेजीकरण किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित रखना है।

कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देशन में गठित सर्वे दल लगातार विभिन्न स्थानों का दौरा कर निजी और सार्वजनिक संग्रहों में सुरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों की जानकारी जुटा रहा है। इसके साथ ही इन दस्तावेजों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज कर संरक्षित किया जा रहा है। इसी कड़ी में सर्वे दल ने हाल ही में चेतकपुरी स्थित नीलकमल माहेश्वरी के निवास का दौरा किया। यहां वर्ष 1800 से 1947 के बीच की कई महत्वपूर्ण हस्तलिखित पांडुलिपियों और ग्रंथों का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान उपलब्ध सामग्री का विस्तृत विवरण ज्ञान भारतम ऐप पर दर्ज किया गया।

नीलकमल माहेश्वरी के निजी संग्रह में लगभग 700 दुर्लभ हस्तलिखित ग्रंथ सुरक्षित पाए गए, जिनका डिजिटल दस्तावेजीकरण किया गया। यह संग्रह ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संग्रह में मौजूद कई पांडुलिपियां अपनी विशिष्टता के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इनमें माचिस के आकार की एक अत्यंत छोटी हस्तलिखित पांडुलिपि भी शामिल है।

सांस्कृतिक विरासत को बचाने की अपील

कलेक्टर रुचिका चौहान ने कहा कि जिले में मौजूद प्राचीन पांडुलिपियां और ऐतिहासिक दस्तावेज हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं। इन्हें संरक्षित करना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि उनके पास प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथ, पांडुलिपियां या अन्य ऐतिहासिक दस्तावेज सुरक्षित हैं तो उनकी जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराएं। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल दस्तावेजीकरण के माध्यम से दुर्लभ पांडुलिपियों को न केवल सुरक्षित रखा जा सकेगा, बल्कि शोध और अध्ययन के लिए भी उन्हें आसानी से उपलब्ध कराया जा सकेगा। प्रशासन की यह पहल ग्वालियर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

शासन की परीक्षा

भारत में चुनावों को अक्सर लोकतंत्र का महापर्व कहा जाता है। यह वह समय होता है जब सत्ता जनता के दरवाजे पर दस्तक देती है, नेता जनादेश मांगते हैं और नागरिक अपने मताधिकार के माध्यम से देश की दिशा तय करते हैं। लेकिन इस उत्सव का एक दूसरा पक्ष भी है, जो मंचों के भाषणों और चुनावी नारों से दूर, सरकारी दफ्तरों, स्कूलों और प्रशासनिक गलियारों में दिखाई देता है। वहां चुनाव लोकतंत्र का पर्व कम और एक विशाल प्रशासनिक परीक्षा अधिक बन जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में चुनावी सुधारों पर चली बहस ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया है- क्या भारत की वर्तमान चुनावी व्यवस्था अपने ही बोझ तले दबती जा रही है? देश के किसी न किसी हिस्से में लगभग हर समय चुनावी गतिविधियां चलती रहती हैं। कहीं विधानसभा चुनाव हैं, कहीं उपचुनाव, कहीं स्थानीय निकायों का मतदान। परिणामस्वरूप शासन और चुनाव के बीच की रेखा कई बार धुंधली पड़ जाती है। लोकतंत्र में चुनाव अनिवार्य हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हर चुनाव केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं रहता। उसके साथ लाखों कर्मचारियों की तैनाती, व्यापक प्रशासनिक तैयारी और संसाधनों का अस्थायी पुनर्वितरण जुड़ा होता है। इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में शिक्षक और शैक्षणिक संस्थान भी शामिल होते हैं। कई बार स्कूल कक्षाएं मतदान केंद्रों में बदल जाती हैं और शिक्षक विद्यार्थियों के बजाय चुनावी जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाते हैं। यह व्यवधान भले कुछ दिनों का दिखाई दे, लेकिन इसका प्रभाव शिक्षा की निरंतरता पर पड़ता है। इसके समानांतर एक और चुनौती सामने आती है- शासन की गति। चुनावी आचार संहिता लोकतांत्रिक निष्पक्षता के लिए आवश्यक है, लेकिन इसके लागू होते ही अनेक प्रशासनिक निर्णय ठहर जाते हैं। विकास परियोजनाएं धीमी पड़ती हैं, नई घोषणाएं रुक जाती हैं और सरकारी मशीनरी का ध्यान जनसेवा से हटकर चुनाव प्रबंधन पर केंद्रित हो जाता है। भारत केवल एक लोकतंत्र नहीं, बल्कि विविधताओं से भरा संघीय गणराज्य है। राज्यों की अपनी राजनीतिक आकांक्षाएं, सामाजिक चुनौतियां और क्षेत्रीय मुद्दे हैं। आशंका यह है कि यदि सभी चुनाव एक साथ होने लगें, तो राष्ट्रीय विमर्श स्थानीय सरोकारों पर हावी हो सकता है। लोकतंत्र की खूबसूरती उसकी विविध आवाजों में है, और किसी भी सुधार को इस संतुलन को बनाए रखना होगा।

मादक पदार्थों का बढ़ता साम्राज्य और युवाओं के सिमटते सपने

योगेश कुमार गोयल
स्वतंत्र टिप्पणीकार

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, ऊर्जा और सृजनशीलता पर निर्भर करता है लेकिन जब यही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय संकट का रूप धारण कर लेती है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के सामने यही चुनौती खड़ी है। युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पूरी मानवता को चेताने का अवसर है कि यदि नशे के बढ़ते दुष्चक्र को समय रहते नहीं रोका गया तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतने पड़ेंगे।

भारत में नशे की समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह गांवों, कस्बों, छोटे शहरों और यहां तक कि स्कूलों तथा कॉलेजों तक पहुंच चुकी है। कभी माना जाता था कि नशीले पदार्थों का सेवन केवल संपन्न वर्ग या शहरी संस्कृति की समस्या है लेकिन आज वास्तविकता इससे कहीं अधिक भयावह है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि नशे का नेटवर्क अब समाज की हर परत तक पहुंच चुका है। आज का युवा अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, सामाजिक अपेक्षाएं, पारिवारिक तनाव, मानसिक अवसाद, अकेलापन और त्वरित सफलता की चाह उसे भीतर से कमजोर बना रही है। ऐसे में नशे के सौदागर युवाओं की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार मित्रों का दबाव, आधुनिक दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या क्षणिक सुख का आकर्षण युवाओं को नशे की ओर धकेल देता है। शुरुआत अक्सर जिज्ञासा से होती है लेकिन धीरे-धीरे यही जिज्ञासा लत और फिर विनाश का कारण बन जाती है।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जहां ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वहीं नशे के कारोबार को भी नए साधन उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स और डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। अब नशे का सौदा किसी सुनसान गली तक सीमित नहीं बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नशे की पहुंच चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन परिसरों में देश के भविष्य का निर्माण होना चाहिए, वहां कुछ युवा अपने भविष्य को स्वयं नष्ट करने की राह पर बढ़ रहे हैं। आधुनिकता और स्वतंत्रता की गलत व्याख्या ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। कई युवाओं को यह भ्रम होता है कि नशा उन्हें अधिक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आधुनिक बनाता है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उसकी निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है, स्मरणशक्ति प्रभावित होती है, एकाग्रता घटती है और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। जो युवा अपने जीवन में बड़े सपने लेकर आगे बढ़ता है, वही नशे की गिरफ्त में आकर अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को स्वयं नष्ट कर देता है। यही कारण है कि नशे को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि मानव संसाधन के विनाश की समस्या माना जाता है।

नशीले पदार्थों का सबसे घातक प्रभाव यह है कि वे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से गुलाम बना देते हैं। एक बार लत लग जाने पर व्यक्ति उसी प्रभाव को बनाए रखने के लिए लगातार अधिक मात्रा में नशा लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका शरीर कमजोर होने लगता है, भूख कम हो जाती है, वजन घटता है, आंखें लाल रहने लगती हैं, नींद प्रभावित होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई मामलों में व्यक्ति आत्मघाती प्रवृत्तियों का शिकार भी हो जाता है। इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वालों के सामने खतरा और भी गंभीर होता है। एक ही सुई के बार-बार उपयोग से एचआईवी, हेपेटाइटिस और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है। भारत में हालांकि मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन को रोकने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं लेकिन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौती अभी भी बनी हुई है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस, प्रशासन या सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों को अपने बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा। शिक्षण संस्थानों को नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक और सामाजिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। दरअसल नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार जागरूकता, शिक्षा और सकारात्मक वातावरण है। यदि युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार, खेल, कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए तो वे नशे जैसे विनाशकारी रास्तों से दूर रह सकते हैं। हमें युवाओं को केवल नशे के दुष्परिणाम बताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें जीवन का सकारात्मक उद्देश्य भी देना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के हाथों में नशे की पुड़िया नहीं, ज्ञान की पुस्तक हो; उनकी आंखों में नशे का धुंधलापन नहीं, सपनों की चमक हो; और उनकी सोच पर नशे का ग्रहण नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का उज्ज्वल प्रकाश हो। यही नशा-मुक्त भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव भी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

स्मार्टफोन को अभिशाप बनने से रोकना आज की वैश्विक जरूरत

ललित गर्ग
स्वतंत्र स्तम्भकार

विज्ञान और तकनीक ने मानव सभ्यता को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। आज का युग डिजिटल युग है, जहां एक क्लिक पर पूरी दुनिया हमारी हथेली में सिमट आई है। स्मार्टफोन ने संचार, शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शासन और सामाजिक संबंधों को नई दिशा दी है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी लेकर आती है। स्मार्टफोन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह जितना बड़ा वरदान सिद्ध हुआ है, उतना ही बड़ा अभिशाप भी बनता जा रहा है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों पर इसके दुष्प्रभावों ने पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। आज विश्वभर में यह स्वीकार किया जा रहा है कि स्मार्टफोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। दुर्भाग्यवश, विवेक और अनुशासन के अभाव में इसका नकारात्मक पक्ष अधिक मुखर हो रहा है। स्मार्टफोन की लत बच्चों और युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद, एकाकीपन, हिंसक प्रवृत्तियों, अश्लीलता, साइबर अपराध और सामाजिक विघटन का कारण बन रही है। यही कारण है कि आज केवल परंपरागत समाज और विकासशील देश ही नहीं, बल्कि विकसित देश भी इस चुनौती से निपटने के लिए कठोर कदम उठा रहे हैं। हाल ही में भारत के हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव की पहल ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। गांव की पहचान साइबर अपराध के केंद्र के रूप में बनने लगी थी। इससे आहत होकर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से स्मार्टफोन त्यागने और बेसिक फोन अपनाने का निर्णय लिया। यह केवल मोबाइल तोड़ने की घटना नहीं, बल्कि समाज की उस पीड़ा की अभिव्यक्ति है, जो तकनीक के दुरुपयोग से उत्पन्न हुई है। गांव के युवाओं का विरोध भी स्वाभाविक है, क्योंकि आज शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं स्मार्टफोन पर निर्भर हैं। इस घटना ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया है-क्या समाधान तकनीक का बहिष्कार है या उसके विवेकपूर्ण उपयोग का संस्कार? विश्व के अनेक देशों ने इस प्रश्न पर गंभीर चिंतन आरंभ कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन, नीदरलैंड, चीन और अमेरिका जैसे देशों में बच्चों और किशोरों के स्मार्टफोन उपयोग को नियंत्रित करने की दिशा में अनेक पहलें हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने किशोरों के सोशल मीडिया उपयोग पर आयु-सीमा तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस ने स्कूलों में स्मार्टफोन प्रतिबंध लागू किया है। ब्रिटेन में भी स्कूलों में मोबाइल उपयोग को सीमित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के विरुद्ध मुकदमे दायर हुए हैं और उन पर भारी जुर्माने लगाए गए हैं।

वास्तव में स्मार्टफोन जहां वरदान है, वहीं अभिशाप भी है। इससे ज्ञान का भंडार भी उपलब्ध है और भ्रम का संसार भी। यह शिक्षा का माध्यम भी है और अश्लीलता तथा हिंसा का प्रवेश-द्वार भी। यह रोजगार के अवसर भी देता है और साइबर अपराध की राह भी खोलता है। आज अनेक युवा रातों-रात अमीर बनने की लालसा में साइबर ठगी, सेक्सटॉर्शन, ऑनलाइन जुआ और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे अपराधों में फंस रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील सामग्री, फेक न्यूज, नफरत और ट्रोल संस्कृति ने सामाजिक मूल्यों को गहरी चोट पहुंचाई है। सबसे अधिक चिंता का विषय बच्चों और किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य है। शोध बताते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और रचनात्मक क्षमता प्रभावित होती है। नींद में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद, चिंता, आत्महत्या की प्रवृत्ति और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है और डिजिटल निकटता के बावजूद भावनात्मक दूरियां बढ़ी हैं। बच्चे खेल के मैदानों से दूर होकर आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं।

विशेषतः 'स्मार्टफोन एक दुधारी तलवार है'। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और अत्याधुनिक संचार माध्यमों ने इस चुनौती को और अधिक जटिल बना दिया है। एआई जहां शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, वहीं इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। डीपफेक वीडियो, फर्जी ऑडियो, साइबर ठगी, पहचान की चोरी, फेक न्यूज और डिजिटल ब्लैकमेल जैसे अपराधों में एआई का इस्तेमाल चिंताजनक स्तर तक बढ़ गया है। स्मार्टफोन इस पूरी प्रक्रिया का सबसे सुलभ और प्रभावी माध्यम बन गया है। एक साधारण मोबाइल फोन के माध्यम से आज कोई भी व्यक्ति एआई आधारित एप्लीकेशनों का उपयोग कर नकली तस्वीरें और वीडियो तैयार कर सकता है, भ्रामक सूचनाएं फैला सकता है या साइबर अपराधों को अंजाम दे सकता है। विशेष रूप से किशोर और युवा, जिनके पास तकनीकी कौशल तो है लेकिन नैतिक प्रशिक्षण और परिपक्वता का अभाव है, वे अनजाने में अथवा त्वरित लाभ की लालसा में ऐसे कृत्यों में संलिप्त हो सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि एआई और स्मार्टफोन के उपयोग के साथ-साथ डिजिटल नैतिकता, मानवीय मूल्यों और कानूनी जिम्मेदारियों का भी समुचित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि तकनीक मानवता के विकास का साधन बने, विनाश का नहीं। इस संदर्भ में यह कथन अत्यंत प्रासंगिक है- 'विज्ञान बिना विवेक के विनाश का कारण बनता है, जबकि विवेक के साथ वही विज्ञान मानवता का वरदान बन जाता है।'

भारतीय संस्कृति सदैव संयम की संस्कृति रही है। हमारे ऋषियों ने सिखाया है कि किसी भी साधन का मूल्य उसके उपयोग में निहित होता है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है-दोष आग का नहीं, उपयोगकर्ता का होता है। यही बात स्मार्टफोन पर भी लागू होती है। आज आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी, साइबर साक्षरता और संयमित उपयोग की है। तकनीक का विरोध समाधान नहीं है, बल्कि उसके साथ नैतिकता, विवेक और मानवीय मूल्यों का समन्वय ही स्थायी समाधान है। स्मार्टफोन मानव की सेवा का साधन बने, मानव का स्वामी नहीं-इसी में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का कल्याण निहित है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

वजन बढ़ने पर अनियमित पीरियड्स... इंसुलिन रेजिस्टेंस बनती है वजह

आज के समय में अनियमित दिनचर्या और खानपान की वजह से महिलाओं को पीरियड संबंधी परेशानी हो सकती है। इसके अलावा, महिलाओं में बढ़ता वजन और मोटापा केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मासिक धर्म चक्र को भी प्रभावित कर सकता है। शरीर में अत्यधिक फैट जमा होने से हार्मोनल संतुलन बिगड़ सकता है। इसका असर महिलाओं के ओव्यूलेशन पर पड़ता है, जो पीरियड्स के अनियमित, देर से आने या कुछ मामलों में बंद होने का कारण बन सकता है।

महिलाओं को घर और ऑफिस की सभी जिम्मेदारियों को एक साथ उठाना पड़ता है। ऐसे में कई बार महिलाएं खानपान पर सही तरह से ध्यान नहीं दे पाती हैं और बाहर का जंक फूड खाना शुरू कर देती हैं। महिलाओं का बढ़ता वजन और मोटापा कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकता है। मोटापे की वजह से महिलाओं को हार्मोनल असंतुलन का सामना करना पड़ सकता है। इसका सीधा असर उनकी पीरियड साइकिल पर पड़ता है। महिला रोग विशेषज्ञों का कहना है कि अत्यधिक वजन बढ़ना न केवल हृदय, डायबिटीज और थायरॉइड जैसी समस्याओं का जोखिम बढ़ाता है, बल्कि यह पीरियड्स को भी प्रभावित कर सकता है। कई महिलाओं में वजन बढ़ने के बाद पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं, देर से आते हैं या कुछ मामलों में महीनों तक नहीं आते। ऐसे

डॉ. आस्था दयाल (डायरेक्टर - ऑब्सटेट्रिक्स और गायनेकोलॉजी, सीके बिड़ला हॉस्पिटल, गुरुग्राम) कहती हैं कि हर महिला को यह समझना जरूरी है कि मोटापा मासिक धर्म चक्र को कैसे प्रभावित करता है और इससे बचाव के लिए क्या किया जा सकता है। अधिक वजन के कारण शरीर में एस्ट्रोजन और इंसुलिन का स्तर प्रभावित हो सकता है। इससे ओवरी की सामान्य कार्यप्रणाली बाधित होती है और मासिक धर्म चक्र अनियमित हो सकता है। स्वस्थ मासिक धर्म चक्र के लिए नियमित ओव्यूलेशन जरूरी होता है। अत्यधिक वजन बढ़ने पर अंडोत्सर्जन की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है, जिससे पीरियड्स समय पर नहीं आते। इस तरह की स्थिति बनने पर चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

निशाना

मत पूछो कैसे हैं लोग..!

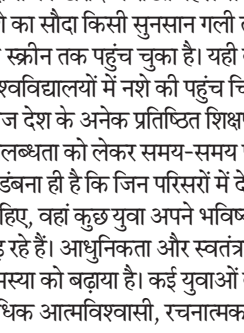

नीति राज चौरे 'नीति'

मत पूछो कैसे है लोग
देखो कैसे-कैसे लोग।
रोड पे चलते जाते लोग,
कचरा वही फैलाते लोग,
रोड पे घर को लाते लोग
कब्जा वहां जमाते लोग,
पूछने पर गुर्राते लोग,
देखो कैसे-कैसे लोग
मत पूछो कैसे हैं लोग,
देखो कैसे-कैसे लोग
पानी व्यर्थ बहाते लोग,
ना मिलने पर लड़ जाते लोग,
पेड़ो को कटवाते लोग,
फल की आस लगाते लोग,
बिजली व्यर्थ करे उपभोग
चोरी में माहिर ये लोग,
कुछ कहो तो रोष दिखाते लोग,
देखो कैसे-कैसे लोग
मत पूछो कैसे हैं लोग,
देखो कैसे-कैसे लोग..

कंज्यूमर अपडेट

जियो को फिर पीछे छोड़ा एयरटेल ने नए ग्राहक बनाने की रेस में आगे

इस साल भारती एयरटेल ने 29.3 लाख नए वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े हैं, जो जियो से भी ज्यादा हैं। रिलायंस जियो 21.5 लाख नए ग्राहकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। हालांकि, मोबाइल बाजार में कुल 39.27% हिस्सेदारी के साथ जियो अभी भी टॉप पर है और एयरटेल 37.89% के साथ दूसरे नंबर पर है।

Airtel Vs Jio Vs Vi: टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नए डेटा के मुताबिक, मई, 2026 में भारती एयरटेल ने लगभग 29.3 लाख नए वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े हैं। ऐसा करके कंपनी ने रिलायंस जियो को पीछे कर दिया है। जियो ने पिछले महीने 21.5 लाख नए वायलेस सब्सक्राइबर जोड़े, जो एयरटेल की तुलना में लगभग आठ लाख कम हैं। इसके बावजूद, मई के महीने के अंत तक भारत के मोबाइल सिम के बाजार में रिलायंस जियो का ही सबसे ज्यादा सिक्का चला, जहां 39.27% हिस्सेदारी के साथ जियो टॉप पर रहा, जबकि भारती एयरटेल 37.89% हिस्सेदारी के साथ दूसरे नंबर पर रही।

वोडाफोन आइडिया (Vi) की बात करें तो मार्केट में इसकी हिस्सेदारी 15.56% रही, जबकि सरकारी कंपनी BSNL की हिस्सेदारी 7.28% थी।

वोडाफोन आइडिया ने नई में 1,21,289 वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े। इससे उसकी ग्रोथ में मामूली सुधार दिखे हैं। इसके अलावा, सरकारी कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड ने 1,04,560 सब्सक्राइबर गंवा दिए हैं। मई के आखिर में Jio के पास 529.61 मिलियन (लगभग 53 करोड़) ग्राहक थे और उसके बाद Bharti Airtel के पास 376.11 मिलियन सब्सक्राइबर थे। वहीं, Vodafone Idea के कुल यूजर्स की संख्या 129.21 मिलियन थी। इसके बाद चौथे नंबर पर BSNL के पास 27.52 मिलियन सब्सक्राइबर थे।

कुल मिलाकर, भारत का वायरलेस सब्सक्राइबर बेस, जिसमें फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस यानी FWA भी शामिल है मई के दौरान 5.5 मिलियन बढ़कर 1.294 बिलियन हो गया था। इससे मासिक ग्रोथ रेट 0.43% रही। मोबाइल सब्सक्राइबर की संख्या 5.09 मिलियन बढ़कर 1.277 बिलियन हो गई। इसके अलावा, कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर 5.56 मिलियन बढ़कर 1.343 बिलियन हो गए। इस बढ़ोतरी में लगभग पूरा हिस्सा वायरलेस कनेक्शन का था, जबकि वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या में मामूली बढ़ोतरी हुई।

अजब गजब

ये हैं खड़ेश्वर बाबा, 22 साल से नहीं बैठे, अब निकल पड़े एक हजार किमी की दंडवत यात्रा पर

सीकर जिले के दांतारामगढ़ के बाय गांव के 75 वर्षीय संत शंकर दास महाराज (खड़ेश्वर बाबा) मां वैष्णो देवी के लिए 1000 किमी की दंडवत यात्रा पर निकले हैं। बाबा पिछले 22 वर्षों से गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार खड़े रहकर तपस्या कर रहे हैं और कभी बैठते नहीं हैं। निर्जला एकादशी से शुरू हुई उनकी यह यात्रा राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और जम्मू होते हुए वैष्णो देवी पहुंचेगी। यह यात्रा विश्व शांति, मानव कल्याण और सनातन धर्म के प्रचार के उद्देश्य से की जा रही है।

राजस्थान का शेखावाटी क्षेत्र अपनी अनूठी संस्कृति, वीरों और चमत्कारी संतों की तपोभूमि के रूप में जाना जाता है। इसी कड़ी में सीकर जिले से आस्था और कठिन साधना की एक ऐसी विहंगम कहानी सामने आई है, जो हर किसी को हैरान कर रही है। उम्र 75 वर्ष से अधिक हो चुकी है, लेकिन हौसला और संकल्प किसी युवा से भी कहीं अधिक मजबूत है। पिछले 22 वर्षों से कभी न बैठने (आसन ग्रहण न करने) का अनूठा संकल्प निभाने वाले एक संत अब करीब 1000 किलोमीटर लंबी अत्यंत कठिन दंडवत यात्रा पर निकल पड़े हैं। सीकर जिले की दांतारामगढ़ तहसील के बाय गांव के रहने वाले संत शंकर दास महाराज, जिन्हें क्षेत्र के श्रद्धालु 'खड़ेश्वर बाबा' के नाम से जानते हैं, अपनी इस अनोखी तपस्या और कठिन संकल्प के कारण इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बने हुए हैं। खड़ेश्वर बाबा ने हाल ही में संपन्न हुई निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर अपने बाय गांव स्थित आश्रम में मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ इस महायात्रा की शुरुआत की है। उनका यह सफर जम्मू-कश्मीर में स्थित सुप्रसिद्ध मां वैष्णो देवी धाम के लिए शुरू हुआ है। यह यात्रा कोई सामान्य पदयात्रा नहीं है, बल्कि बाबा पूरी दूरी जमीन पर लेटकर यानी दंडवत प्रणाम (कनक दंडवत) करते हुए तय करेंगे। वे अपनी इस यात्रा के दौरान अपने साथ लाल वस्त्र में बंधा हुआ एक पवित्र नारियल भी लेकर चल रहे हैं, जिसे वे वैष्णो देवी के मुख्य दरबार में पहुंचकर आदिशक्ति के चरणों में अर्पित करेंगे। बाबा का कहना है कि उनकी यह कठिन यात्रा किसी व्यक्तिगत सिद्धि, चमत्कार दिखाने या प्रसिद्धि पाने के लिए नहीं है। वे यह यात्रा पूर्ण रूप से मानव कल्याण, विश्व शांति, गौ संरक्षण (गौ माता की रक्षा) और सनातन धर्म के प्रति आमजन में जागृति लाने के महान उद्देश्य से कर रहे हैं।

इस लंबी यात्रा के मार्ग में जहां-जहां भी बाबा के रात्रि विश्राम और दिन के पड़ाव होंगे, वहां वे स्थानीय लोगों के साथ भजन-कीर्तन करेंगे और धार्मिक व सामाजिक संदेशों के माध्यम से समाज को कुरीतियों के खिलाफ जागरूक भी करेंगे।

न्यूज विंडो

औबेदुल्लागंज में रेत की ओवरलोड गाड़ियों पर परिवहन विभाग की कार्रवाई

औबेदुल्लागंज। परिवहन विभाग के संभागीय उड़नदस्ता-10 ने औबेदुल्लागंज क्षेत्र में रेत का परिवहन कर रही ओवरलोड वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान वाहनों की ओवरलोडिंग के साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन संबंधी दस्तावेज एवं पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल प्रमाणपत्र की भी जांच की गई। जांच के दौरान तीन वाहनों के चालक एवं मालिक आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। साथ ही वाहनों में विभिन्न परिवहन नियमों का उल्लंघन भी पाया गया। इस पर संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी कृष्ण कुमार गोस्वामी ने बताया कि जांच के दौरान संबंधित वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस,ओवरलोडिंग,वाहन के दस्तावेज, पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल प्रमाणपत्र सहित अन्य आवश्यक कागजातों की जांच की गई।दस्तावेजों में अनियमितता मिलने पर तीनों वाहनों को औबेदुल्लागंज थाने लाया गया, जहां उनके विरुद्ध कुल 64 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। चालान राशि जमा कराने के बाद नियमानुसार वाहनों को रवाना कर दिया गया। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मेघों की मेहरबानी से किसानों के चेहरे खिले, बोवनी के लिए पर्याप्त बारिश

गंजबासौदा। शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में हुई बारिश से मौसम सुहावना हो गया। बारिश ने जहां लोगों को उमस और गर्मी से राहत दिलाई, वहीं किसानों के चेहरों पर भी खुशी लौटा दी। अच्छी वर्षा के बाद खेतों में नमी आने से किसान खरीफ फसलों की बोवनी की तैयारियों में जुट गए हैं, जबकि कई किसानों ने सोयाबीन, मक्का और उड़द की बोवनी भी कर दी है। बारिश के चलते शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया और जगह-जगह गड्ढों में जलभराव होने से राहगीरों एवं वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद किसानों ने इस बारिश को खेती के लिए बेहद लाभकारी बताया। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में इसी तरह संतुलित बारिश होती रही तो खरीफ फसलों के लिए यह मौसम काफी अनुकूल साबित होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों पर ट्रैक्टर और कृषि यंत्रों की आवाजाही बढ़ गई है जैसे ही मौसम साफ होगा किसान तेजी से बोवनी कार्य पूरा करने में लग जाएंगे। किसानों को अब आने वाले दिनों में अच्छी बारिश की उम्मीद है।

सिवनी में बारिश से पूर्व जर्जर हो चुके 177 स्कूल भवनों को गिराया गया

सिवनी। बारिश का मौसम शुरू होने से पहले जिलेभर में संचालित जर्जर हो चुके 177 स्कूल भवनों को सिवनी जिला प्रशासन ने अभियान चलाकर मलबे में बदल दिया। यह कार्रवाई सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है। जानकारी के अनुसार समग्र शिक्षा अभियान के तहत असुरक्षित और खतरनाक स्कूल इमारतों को पहचान कर उन्हें गिराने का यह कार्य लगातार जारी है।

अमरकंटक क्षेत्र में जंगलों में अवैध जुए के संचालन का आरोप

अमरकंटक। अमरकंटक थाना क्षेत्र के जंगलों में कथित रूप से अवैध जुए के फड़ संचालित किए जाने को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि कुछ भाजपा पदाधिकारी एवं कोतमा के एक पूर्व पार्षद द्वारा जुए के संचालन के लिए आर्थिक सहायता (फाइनेंस) उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से जुआ खेलने वालों को अमरकंटक के जंगलों तक लाकर जुए के फड़ बैठाने की व्यवस्था की जाती है। अमरकंटक के तराई क्षेत्र से जुड़े कुछ स्थानीय युवक जुए के आयोजन के दौरान स्थानीय व्यवस्थाओं और आने-जाने की व्यवस्था संभालते हैं।

सतना में डेढ़ घंटे में हुई डिलीवरी, एसएनसीयू में विशेषज्ञों की निगरानी में नवजात

सात माह की गर्भवती ने तीन बेटियों को दिया जन्म, तीनों का वजन कम

सतना। दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल में एक दुर्लभ मामले में सात माह की गर्भवती महिला ने सामान्य प्रसव के जरिए एक साथ तीन बेटियों को जन्म दिया। समय से पहले जन्म और कम वजन होने के कारण तीनों नवजातों को एसएनसीयू में भर्ती कर विशेषज्ञों की निगरानी में रखा गया है। चलिए जानते हैं विशेषज्ञ इस मामले पर क्या कह रहे हैं?

सतना जिला अस्पताल में बीती देर रात एक ऐसा दुर्लभ मामला सामने आया, जिसने डॉक्टरों के साथ-साथ अस्पताल स्टाफ को भी आश्चर्यचकित कर दिया। यहां सात माह की गर्भवती महिला प्रियंका साकेत ने एक साथ तीन बेटियों को जन्म दिया। विशेष बात यह रही कि तीनों बच्चियों का जन्म सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) से हुआ। समय से पहले जन्म और कम वजन होने के कारण तीनों नवजातों को तुरंत विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में भर्ती कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार पहली बच्ची का जन्म 24 जून की रात 10:25 बजे हुआ। इसके बाद दूसरी बच्ची रात 11:45 बजे और तीसरी बच्ची रात 11:56 बजे पैदा हुई। इस तरह करीब डेढ़ घंटे के भीतर तीनों बच्चियों की सफल नॉर्मल डिलीवरी कराई गई। प्रत्येक नवजात का वजन लगभग एक किलोग्राम बताया गया है। चिकित्सकों के मुताबिक गर्भावस्था के सातवें माह में प्रसव होने के कारण नवजात पूरी तरह विकसित नहीं थे। ऐसे में तीनों बच्चियों को जन्म के तुरंत बाद एसएनसीयू में भर्ती किया गया, जहां उनकी सांस, शरीर का तापमान, पोषण और अन्य जरूरी स्वास्थ्य मानकों की निगरानी की जा रही है।

आठ महीने में तीसरी बार हुई एक साथ तीन बच्चों की डिलीवरी

सतना जिला अस्पताल में पिछले आठ महीनों के दौरान यह ट्रिपलेट डिलीवरी का तीसरा सफल मामला है। इससे पहले 22 नवंबर 2025 को मैहर जिले की एक महिला ने यहां तीन शिशुओं को जन्म दिया था। इसके बाद 27 अप्रैल 2026 को पन्ना जिले की एक प्रसूता की भी सफल ट्रिपलेट नॉर्मल डिलीवरी कराई गई थी। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने जिला अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की चिकित्सा सेवाओं और विशेषज्ञता को नई पहचान दिलाई है। विशेषज्ञों के अनुसार एक साथ तीन शिशुओं का गर्भधारण और सुरक्षित प्रसव सामान्य गर्भावस्था की तुलना में काफी दुर्लभ होता है। ऐसे मामलों में मां और नवजातों दोनों के लिए जोखिम अधिक रहता है। समय से पहले प्रसव और कम वजन जैसी चुनौतियों के बावजूद सफल नॉर्मल डिलीवरी होना चिकित्सकीय दृष्टि से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है।

उपभोक्ता परेशान बिल जमा फिर भी काट दी बिजली

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

बिल जमा करने के बावजूद कई उपभोक्ताओं की बिजली काट दी गई। इससे नाराज उपभोक्ताओं ने बिजली कंपनी के कार्यालय पहुंचकर जमकर हंगामा किया। उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से ही बिल बढ़ गया है, अब तो बिल जमा होने पर भी लाइन काटी जा रही है। उपभोक्ताओं ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से ही बिल पहले से ज्यादा आ रहा है। इसे तो हम सह रहे हैं, लेकिन अब तो हद हो गई। बिजली का बिल जमा होने के बाद भी कंपनी ने सप्लाई काट दी। पहले लगा कि सामान्य कटौती होगी, लेकिन जब 6 घंटे बाद भी लाइट नहीं आई तो कंपनी कार्यालय पहुंचे। वहां पता चला कि बिल जमा नहीं होने के कारण लाइन काट दी गई है। जब बिल जमा होने की रसीद दिखाई तो कंपनी के कर्मचारियों ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि 'टेक्निकल मिस्टेक' से ऐसा हो गया होगा। उपभोक्ता नरेंद्र जैन ने बताया कि उनका 1600 रुपये का बिल था, जो जमा कर दिया था।

ग्रामीणों ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

ऑयल और फ्यूल कंपनियों से हो रहा प्रदूषण, जताया विरोध

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी जिले के बड़वारा तहसील अंतर्गत ग्राम भगनवारा में स्थित ऑयल और फ्यूल कंपनियों से हो रहे प्रदूषण के खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया है।

क्षेत्र में संचालित करीब एक दर्जन फैक्ट्रियों से फैल रहे प्रदूषण को लेकर क्षेत्रीय नागरिकों ने कटनी कलेक्टर आशीष तिवारी के नाम बड़वारा तहसीलदार ऋषि गौतम को एक शिकायती ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

अवैध शराब के खिलाफ औबेदुल्लागंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई

2.27 लाख रुपए का माल जब्त

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए औबेदुल्लागंज पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक रायसेन आशुतोष गुप्ता के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक नायक के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी औबेदुल्लागंज श्रीमती शीला सुराणा के नेतृत्व में थाना औबेदुल्लागंज पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर 21 जून को बजरवासी ढाबा एवं पटियाला ढाबा के पास, 23 जून को न्यू विंध्याचल ढाबा के पास तथा 24 व 25 जून को एमएस ढाबा, चौहान ढाबा और नर्मदा ढाबा के आसपास कार्रवाई करते हुए कई व्यक्तियों को अवैध शराब रखते एवं परिवहन करते हुए पकड़ा। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 117.72 लीटर देशी शराब तथा 28.22 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की। इसके अलावा शराब परिवहन में उपयोग की जा रही दो स्कूटी और एक बिना नंबर की स्कूटी भी जब्त की गई। जब्त शराब एवं वाहनों की कुल अनुमानित कीमत 2 लाख 27 हजार 70 रुपये बताई गई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक बी.पी. सिंह, उपनिरीक्षक संतोष सिंह ठाकुर, सहायक उपनिरीक्षक संजीव त्यागी, अशोक तिवारी, प्रधान आरक्षक आदेश चौरे एवं पंकज चौधरी सहित थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

निर्जला एकादशी: पुष्पों ने बिखेरी दिव्यता खाटू श्याम के दर्शन करने उमड़े श्रद्धालु

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर गुरुवार को शहर के मंदिरों में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। स्टेशन रोड स्थित खाटू श्याम मंदिर में बाबा का तीन क्विंटल सुगंधित पुष्पों से भव्य श्रृंगार किया गया, जबकि नौलखी मंदिर में व्रत कथा, संकीर्तन और जल, शक्कर एवं आम के दान के साथ दिनभर धार्मिक आयोजन संपन्न हुए।

खाटू श्याम मंदिर में कोलकाता से मंगाए गए चंपा, जूही, चमेली, गुलाब सहित विभिन्न सुगंधित पुष्पों से बाबा श्याम का दिव्य श्रृंगार किया गया। जैसे ही सुबह मंदिर के कपाट खुले, फूलों की मनमोहक सुगंध, शंख-घंटियों की मंगलध्वनि और भजनों की स्वर लहरियों के बीच श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर भाव-विभोर हो उठे। हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। मंदिर का मुख्य आकर्षण मोरपंखों से सुसज्जित नौका विहार रहा। विशेष रूप से तैयार किए गए जलकुंड में पीतल की खाटू श्याम बाबा एवं लड्डू गोपाल की प्रतिमाओं का श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से नौका विहार कराया। नौका के जल में आगे बढ़ते ही श्रद्धालुओं के कंठ से श्याम नाम का संकीर्तन और जयघोष गूंज उठा। इससे पूर्व हनुमान चौक से खाटू श्याम मंदिर तक भव्य निशान यात्रा निकाली गई। हाथों में निशान और होठों पर श्याम नाम लिए सैकड़ों श्रद्धालु नाचते-गाते मंदिर पहुंचे। देर शाम महाआरती, भजन संध्या एवं प्रसादी का आयोजन हुआ। मंदिर के पुजारी वीरेंद्र दुबे ने बताया कि श्रद्धालुओं ने बाबा के दिव्य पुष्प श्रृंगार और नौका विहार के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। वहीं निर्जला एकादशी पर स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान सीताराम की साक्षी में निर्जला एकादशी व्रत कथा का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कथा के उपरांत श्रद्धालुओं ने सनातन परंपरा के अनुसार जल एवं शक्कर से भरे कलशों का दान किया तथा भीषण गर्मी को देखते हुए आम का दान भी किया।

शाम को प्रतिदिन होने वाले श्री सीताराम संकीर्तन में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। संकीर्तन के पश्चात आम रस एवं आम का प्रसाद वितरित किया गया।

उन्नत बीज के नाम पर किसानों के साथ हो रही धोखाधड़ी

शहडोल। दोपहर मेट्रो

खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ किसान खेतों की तैयारी और बीज खरीदने में जुट गए हैं। इसी बीच बीज कारोबार से जुड़े एक गंभीर मामले ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में सामने आई एक जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देशभर में बड़ी संख्या में बीज कंपनियां उन्नत किस्म के बीज के नाम पर किसानों को सामान्य अनाज बेच रही हैं। यदि यह आरोप सही साबित होता है, तो इसका सीधा असर किसानों की लागत, उत्पादन और आय पर पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, नई बीज किस्म विकसित करने के लिए निर्धारित वैज्ञानिक परीक्षण, अनुसंधान और फील्ड ट्रायल आवश्यक होते हैं। आरोप है कि अनेक कंपनियां इन प्रक्रियाओं का पालन किए बिना ही अपने उत्पादों को उन्नत बीज बताकर बाजार में बेच रही हैं। इससे किसान अधिक कीमत चुकाने के बावजूद अपेक्षित उत्पादन से वंचित रह सकते हैं। शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जैसे आदिवासी एवं कृषि प्रधान जिलों में अधिकांश किसान धान, मक्का, अन्य फसलों की खेती करते हैं। ऐसे में यदि बीज की गुणवत्ता खराब हुई तो पूरे सीजन की मेहनत और निवेश पर असर पड़ सकता है।

नदी में डूबे नाबालिग का शव बरामद

मंडला। मंडला के माहिष्मती घाट में सुबह नर्मदा नदी में डूबे 15 वर्षीय नाबालिग क्षितिज परस्ते का शव करीब चार घंटे के बाद बरामद कर लिया गया है। एसडीईआरएफ और होमगार्ड की टीम ने संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को नदी से बाहर निकाला, जिसके बाद उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

मेट्रो एंकर | विद्यालय में साइबर सुरक्षा पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

चौकी प्रभारी विवेक यादव ने छात्र-छात्राओं को दिए सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के टिप्स

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

बढ़ते साइबर अपराधों के बीच लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सेमरी हरचंद चौकी प्रभारी विवेक यादव ने एक विद्यालय में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के महत्वपूर्ण उपाय बताए।

कार्यक्रम में विवेक यादव ने विद्यार्थियों को फर्जी लिंक, नकली वेबसाइट, सोशल मीडिया फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी और लॉटरी के नाम पर होने वाली ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने या अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से आर्थिक नुकसान हो सकता है।

उन्होंने छात्रों को ओटीपी, बैंक खाता विवरण, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी और पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की सीख दी। साथ ही सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय भी सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में शिक्षकों को भी साइबर अपराध के नए-नए तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। चौकी प्रभारी ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी या साइबर अपराध होता है, तो वह तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करा सकता है। पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम जागरूकता है। इसी उद्देश्य से स्कूलों में चलाए जा रहे इस अभियान के जरिए बच्चों और युवाओं को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना बैरागढ भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक / था.प्र./बैरा./ भो./डी- 569/26 दिनांक 20.06.26

आम इश्तेहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना बैरागढ भोपाल के इस्तगासा क्रमांक 01/2026 धारा 25 पुलिस एक्ट में 30 दो पहिया वाहनों को जप्त किए गया है। जप्त शुदा वाहनों की सूची थाना बैरागढ भोपाल के सूचना पटल बोर्ड पर चस्पा की गई है। जो थाने में रखे हुए हैं जो कबाड व जर्जर हो रहे हैं। आज दिनांक तक किसी भी वाहन स्वामी ने अधिपत्य का दावा नहीं किया है।

अतःथाने की सूचना पटल पर चस्पा किए गए वाहनों की सूची के स्वामित्वदारों को आम सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त वाहन का कोई भी व्यक्ति जो दावा करता है अपने मूल दस्तावेज लेकर थाना बैरागढ भोपाल में दिनांक 15.07.26 तक उपस्थित होवे या थाना बैरागढ भोपाल के दूरभाष नंबर 0755-2641223 मो.नं. 7049105790 पर संपर्क करें अन्यथा जप्तशुदा वाहनों की सार्वजनिक नीलामी श्रीमान एस.डी.एम महोदय के आदेश से निष्पादित की जावेगी। दिनांक 15.07.26 के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों में कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

जी-14938/26

थाना प्रभारी
थाना बैरागढ़ भोपाल (म.प्र.)

स्टेट हाईवे किनारे रेत-मिट्टी के अवैध ढेर, राहगीरों के लिए बना खतरा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत तेजगढ़ में दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे के किनारे अवैध रूप से जमा किए जा रहे रेत, मिट्टी और निर्माण सामग्री के ढेर राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क किनारे रखी जा रही सामग्री न केवल यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रही है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बढ़ा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार हाईवे के किनारे कई स्थानों पर रेत और मिट्टी के बड़े-बड़े ढेर लगाए गए हैं। तेज हवा, बारिश अथवा वाहनों की आवाजाही के कारण यह सामग्री अक्सर सड़क पर फैल जाती है। सड़क पर फैली रेत और गिट्टी के कारण दोपहिया वाहन चालक संतुलन खो बैठते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विशेष रूप से रात के समय यह स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब दो माह पूर्व भी सड़क पर फैली रेत और गिट्टी के कारण एक गंभीर सड़क दुर्घटना हुई थी। दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई थी, जिसके बाद पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं दो अन्य युवक घायल हो गए थे। इस घटना के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि संबंधित विभागों और प्रशासनिक अधिकारियों को इस स्थिति की जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं, वहीं कई वरिष्ठ अधिकारी भी इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। इसके बावजूद सड़क किनारे अवैध रूप से जमा सामग्री को हटाने की दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते रेत और मिट्टी के इन अवैध ढेरों को नहीं हटाया गया तो भविष्य में और भी गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सड़क किनारे जमा निर्माण सामग्री को तत्काल हटाया जाए तथा जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अब क्षेत्र के लोगों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है। नागरिकों को उम्मीद है कि इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान कर सड़क को सुरक्षित बनाया जाएगा।

इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) तेंदूखेड़ा सी.जी. गोस्वामी ने बताया कि मामले की जानकारी प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे रखी गई सामग्री के संबंध में शीघ्र कार्रवाई की जाएगी और यातायात बाधित करने वाले अवैध कब्जों को हटाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

न्यूज विंडो

बाघ पर फायर के आरोप, वीडियो आया सामने, जांच की मांग

तेंदूखेड़ा। टाइगर रिजर्व के बफर जोन के पटना मुहली से एक वीडियो सामने आया है बताया जा रहा है कि क्षेत्र में एक टाइगर कुछ दिन से चहलकदमी कर रहा है वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर उक्त वीडियो को शेयर किया है उन्होंने कहा कि क्षेत्र के ग्रामीणों ने उन्हें वीडियो में गोली चलने जैसी आवाज आ रही है टाइगर रिजर्व में गोलियां गूंज रही है तो हमारे वन्यजीव कितने सुरक्षित होंगे इससे प्रबंधन के सुरक्षा संबंधी दावों की जमीनी हकीकत सामने आ रही है उन्होंने वन विभाग की उक्त मामले की शिकायत करते हुए बैलिस्टिक जांच की मांग उठाई है वहीं इस मामले में टाइगर रिजर्व प्रबंधन का पक्ष जानने की कोशिश की तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया है पटना मुहली निवासी सुदामा यादव 31 वर्ष बीते दिन सोमवार को अपने मवेशियों के लिए चारा लेने के लिए घर से जंगल की और गया था जहां बाघ ने उस पर हमला कर दिया था वह किसी तरह से बाघ से बच गया था लेकिन हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे इलाज के लिए बीएमसी में भर्ती कराया गया था एक्टिविस्ट अजय दुबे का कहना है कि जब उन्होंने इस मामले की शिकायत विभाग से की तो उसके बाद अधिकारियों ने मामले की जांच की बात कही है। भोपाल से भी जल्द ही टीम वीडीटीआर पहुंचेंगी। फायरिंग संबंधी मामले में पांच हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है।

सड़क पर दौड़ रहीं 15 साल से अधिक पुरानी दो बस के पंजीयन निरस्त

सागर। ओवरलोड, अधिक किराया लेने, परमिट शर्तों का उल्लंघन, टैक्स बकाया यात्री बसों पर चैकिंग में कार्यवाई की गई है. 15 साल से अधिक पुरानी 2 यात्री बस का पंजीयन निरस्त किया गया है एवं उक्त यात्री बस को स्क्रेप करने का आदेश जारी किया है। शहरी क्षेत्र में 24 स्कूली वाहनों को चैक किया गया, जिनमें से 1 स्कूल वाहन को चैक करने पर पाया गया कि उक्त वाहन के मौके पर आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए गए, वाहन में अग्निशमन यंत्र नहीं, फस्टएड बॉक्स नहीं, आपातकालीन द्वार पर सीट लगी पाई गई 1 ओमनी वेन, 1 आटो रिक्शा में संख्या से अधिक स्कूली बच्चों को लेकर संचालित पाये गये एवं 3 ई-रिक्शा बिना दस्तावेजों के संचालित पाये गये। इस प्रकार 6 वाहनों को जप्त किया गया है। उक्त चैकिंग पारस स्कूल के निकट की गई थी। चैकिंग के कारण कुछ वाहन चालकों द्वारा रास्ता बदलकर जाने का प्रयास किया। किन्तु जांच दल द्वारा उन्हें जांच दायरे में लिया गया तथा कमी पाये जाने पर वाहन जप्त की गई है। पूर्व से जप्त 4 स्कूल बस, 1 मैक्सी कैब, 5 ई-रिक्शा से मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत् रू. 42200 जुर्माना वसूला गया है।

नई कार या धोखा... एक हजार किलोमीटर चलते ही फेल हुई कार

धार। शहर ऑटोमोबाइल कंपनी के शोरूम में ग्राहक को खराब वाहन बेचने का गंभीर मामला सामने आया है। कार खरीदने के महज एक महीने के भीतर ही उसमें आई तकनीकी खराबियों से परेशान होकर पीड़ित ग्राहक ने कानूनी रास्ता अपनाया है। सुरेशचंद्र वर्मा निवासी बगड़ी ने बताया कि 21 मार्च को उन्होंने त्रिमुर्ति नगर स्थित श्याम ऑटोमेटिव टाटा शोरुम से टाटा कंपनी की टियागों कार खरीदी थी, कार खरीदने के बाद सिर्फ 1 हजार किलोमीटर ही कार चलाई थी जिस पर 70 से 80 किलोमीटर तो कार पूर्व में ही चली हुई दी थी, 12 अप्रैल को जब कार के नीचे देखा तो उसमें आयल टपक रहा था, करीब 300 ग्राम ऑयल टपक कर गिर चुका था, जब शोरुम पर आयल टपकने की शिकायत की तो उन?होंने 14 अप्रैल को कार की आईलसील चेंज कर समस?या हल होने की बात कहकर कार लौटा दी थी। 16 अप्रैल को चार दिन बाद जब कार को लेकर परिवारिक कार्य से महू के लिए निकले थे, करीब 100 किलोमीटर चलने के बाद जब धार आए तो शहर के पाटीदार चौराहे पर कार बंद हो गई, जिसकी सूचना शोरुम के जीएम मनीष जैन को दी थी, 17 अप्रैल को कार आपने शोरुम पर गई, वहां से कार को इंदौर ले जाने की बात कही और इंजन चेंज करवाकर 1 मई को गाड़ी पुनः लौटा दी गई थी।

उप मुख्यमंत्री ने दिए विधानसभावार मॉनिटरिंग के निर्देश

हमारा लक्ष्य पौधों के वृक्ष बनने तक उनकी सुरक्षा करना है: शुक्ल

सागर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान की जिला स्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए. वर्षा जल के अधिकतम संचयन के लिए फार्म पॉन्ड्स के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य केवल कार्यों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण, पर्यावरण-अनुकूल और लोक-हितकारी कार्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी कार्यों की विधानसभावार मॉनिटरिंग करने और शेष बचे कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। पौधों के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना बढ़ाने के लिए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन निकायों, संस्थाओं आदि द्वारा लगाए गए पौधे अगले वर्ष तक सर्वाधिक संख्या में जीवित और सुरक्षित रहेंगे, उन्हें पुरस्कृत भी किया जाए. उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा लक्ष्य केवल पौधरोपण नहीं, बल्कि पौधों के वृक्ष बनने तक उनकी सुरक्षा करना है।

खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह ने अवगत कराया कि खुरई में इस वर्ष एक दिन में 1 लाख पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें समाज के सभी व्यक्तियों की सहभागिता रहती है। गत वर्ष भी वृहद पैमाने पर यह गतिविधि की गई थी जिसमें पौधारोपण करने वाले सभी व्यक्ति नियमित रूप से उनके द्वारा लगाए गए पौधों की फोटो अपलोड करते हैं जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि उस पौधे को सही देखभाल मिल रही है। पौधों की एक गार्जियन की तरह सेवा और सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है।

रेनवाटर हार्वेस्टिंग को सक्रिय किया जाए: जैन

सागर विधायक शैलेंद्र जैन ने शहरी क्षेत्र में रेनवाटर हार्वेस्टिंग को सक्रिय करने और लाखा बंजारा झील पर गंगा आरती के माध्यम से आई जन-जागरूकता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सागर नगर में भी उचित स्थान को देखते हुए करीब 25 हज़ार पौधारोपण का लक्ष्य लिया गया है। बैठक में देवरी विधायक वृजबिहारी पटेरिया, बंडा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी ने भी उनके क्षेत्र ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए गए उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी। जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने जहां बाउंड्री नहीं है वहां रोपे गए पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री-गार्ड उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अभियान के तहत विगत दो वर्षों में किए गए कार्यों की मॉनिटरिंग और गैप फिलिंग करने साथ ही अभियान के तहत आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया में तेजी लाने के की बात कही। जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों का प्रेजेंटेशन देते हुए जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर चुका है और लगातार इसके तहत कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर सांसद लता वानखेड़े, महापौर संगीता तिवारी, वृंदावन अहिरवार,श्याम तिवारी, रानी कुशवाहा, कलेक्टर पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, डीएफओ शैलेश माचरा एवं वरुण यादव, नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कपिलधारा पार्किंग में 250 वसूली का आरोप

अमरकंटक/ अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक के प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल कपिलधारा में पार्किंग शुल्क को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पार्किंग ठेकेदार द्वारा प्रति वाहन 250 रुपए तक की वसूली की जा रही है, जबकि नगर परिषद द्वारा किए गए अनुबंध के अनुसार केवल पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने के एवज में 50 रुपए प्रति वाहन शुल्क निर्धारित किया गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि अनुबंध की शर्तों में 50 रुपए शुल्क निर्धारित है, तो उससे अधिक राशि की वसूली नियमों का उल्लंघन है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर वास्तविक शुल्क दर सार्वजनिक की जाए तथा अधिक वसूली पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जानकारों के अनुसार, पार्किंग ठेके की शर्तों का पालन न किए जाने या निर्धारित दर से अधिक शुल्क वसूलने की पुष्टि होने पर ठेका निरस्त करने सहित अन्य दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान हो सकता है। ऐसे में अब सभी की निगाहें नगर परिषद और प्रशासन की जांच पर टिकी हैं।

कोयला कर्मियों और आदिवासी परिवारों के आर्थिक शोषण के आरोप

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के पाली और नौरोजाबाद क्षेत्र में कार्यरत कोयला कर्मियों तथा आदिवासी परिवारों के आर्थिक शोषण के गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि कुछ कथित सूदखोर मजदूरों की बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड अपने कब्जे में रख लेते हैं। वे मजदूरों को पहले कम राशि उधार या घरेलू सामान देकर अपने जाल में फंसाते हैं और वेतन आने पर अत्यधिक ब्याज की वसूली करते हैं। आरोप है कि कई मामलों में 2 लाख तक का कर्ज देकर वर्षों तक मजदूरों की मेहनत की कमाई पर कब्जा बनाए रखा जाता है। कुछ सूदखोर 35 से 40 प्रतिशत मासिक ब्याज तक वसूल रहे हैं, जबकि कुछ मामलों में इससे भी अधिक ब्याज लेने के आरोप लगाए जा रहे हैं। आदिवासी और कम पढ़े-लिखे मजदूरों को यह तक पता नहीं चल पाता कि उनका आर्थिक शोषण हो रहा है। साथ ही उनके सामाजिक और मानवीय शोषण के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। इस पूरे मामले ने पुलिस और स्थानीय खुफिया तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

अवैध शराब जब्त, दो गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन में जिले भर में अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी खुरई प्रवीण अस्थाना के नेतृत्व में थाना बांदरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ढाबे पर संचालित अवैध शराब के कारोबार का पर्दाफाश किया। कस्बा भ्रमण के दौरान पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि सौरभ ढाबा, बांदरी में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का संग्रहण एवं विक्रय किया जा रहा है। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक शशिकांत गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी। थाना स्टाफ की उपस्थिति में तलाशी लेने पर ढाबे के विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में अवैध शराब एवं बीयर बरामद हुई। तलाशी के दौरान पुलिस ने विभिन्न ब्रांडों की 1280 पाव देशी एवं अंग्रेजी शराब तथा 198 बीयर केन, कुल 1478 पाव (338.58 बल्क लीटर) अवैध मदिरा बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत 2,22,400 है। इसके अतिरिक्त शराब विक्रय से प्राप्त 9,20,000 नगद भी मौके से जब्त किए गए। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 11.42 लाख है। मौके से सौरभ साहू निवासी बांदरी एवं सुमित राय निवासी पिठौरिया को गिरफ्तार किया गया।

आरटीओ का फिटनेस और परमिट के बिना दौड़ रहे सात स्कूल वाहनों पर कसा शिकंजा, लगाया जुर्माना

धार। दोपहर मेट्रो

सड़क परिवहन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए परिवहन आयुक्त एवं जिला कलेक्टर राजीव रंजन मीना के मार्गदर्शन में बुधवार को आरटीओं की टीम ने धामनोद क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूल वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की है।

विशेष अभियान के तहत आरटीओं की टीम ने क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में चल रहे लगभग 50 स्कूल वाहनों को रोककर उनका भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान टीम द्वारा वाहनों के, फिटनेस प्रमाण-पत्र, वैध परमिट प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र, चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस व अन्य जरूरी दस्तावेज की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान 7 स्कूल वाहन मोटरयान अधिनियम के निर्धारित मानकों और सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए पाए गए। विभाग ने इन वाहनों के खिलाफ तत्काल दंडात्मक कार्रवाई करते हुए कुल 33 हजार रुपये का जुर्माना मौके पर ही वसूल किया।

आरटीओ ने सभी स्कूल संचालकों और वाहन स्वामियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपने वाहनों के सभी दस्तावेज और सुरक्षा मानक अप-टू-डेट रखें। उन्होंने चेतावनी दी है कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आने वाले दिनों में और भी सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर

नालसा 'नशा जागरुकता एवं स्वास्थ्य मार्गदर्शन' योजना के तहत विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणाम एवं कानून संबंधी दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दमोह सुभाष सोलंकी के निर्देशानुसार एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी तथा अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा श्रीमती स्मृति सोनी के मार्गदर्शन में ग्राम झरौली स्थित प्राथमिक शाला में नालसा की नशा जागरूकता एवं स्वास्थ्य मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को योजना के उद्देश्यों एवं नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान योजना से संबंधित जागरूकता वीडियो का प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शन भी किया गया, जिससे ग्रामीणों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान तथा उससे जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती स्मृति सोनी ने बताया कि नालसा की यह राष्ट्रव्यापी पहल मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम, नशा पीड़ितों के पुनर्वास तथा नशामुक्त भारत के निर्माण के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत नशे से प्रभावित व्यक्तियों, उनके परिवारों तथा महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों जैसे संवेदनशील वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता एवं परामर्श प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि योजना का प्रमुख उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों तथा मादक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के कानूनी परिणामों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही नशे की लत से पीड़ित लोगों को उचित चिकित्सा सुविधाओं एवं पुनर्वास केंद्रों तक पहुंचाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। सोनी ने कहा कि नशे के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाने के लिए समाज की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। नागरिकों, विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से ही नशामुक्त समाज की स्थापना संभव है। उन्होंने ग्रामीणों से स्वयं जागरूक रहने तथा दूसरों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। शिविर में ग्राम पंचायत उपसरपंच कृष्ण केवट, ग्राम सचिव रामदास साहू, जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा से आकाश साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

टी-20 सीरीज: बेबी बॉस को आज इंटरनेशन क्रिकेट में डेब्यू करने का मिल सकता है मौका

वैभव सूर्यवंशी पर टिकी वर्ल्ड क्रिकेट की नजर, सचिन तेंदुलकर भी हो जाएंगे पीछे

बेलफास्ट, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर एक ऐसे नाम की चर्चा में है, जिसने कम उम्र में ही दुनिया भर के क्रिकेट दिग्गजों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। बिहार के ताजपुर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचे 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में डेब्यू के लिए तैयार हैं। अगर उन्हें आज मौका मिलता है, तो वह भारतीय पुरुष क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव की उम्र मैच के दिन सिर्फ 15 साल और 91 दिन होगी। इसके साथ ही वह किसी भी ICC फुल मेंबर देश के लिए टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बन जाएंगे। अभी तक यह रिकॉर्ड आयरलैंड के जोश लिटिल के नाम था, जिन्होंने 16 साल 309 दिन में डेब्यू किया था। वैभव सूर्यवंशी का क्रिकेट सफर पिछले एक साल में ही चर्चा का केंद्र बन गया है। आईपीएल में उन्होंने अपने पहले ही सीजन में धमाकेदार एंट्री की थी, जब उन्होंने पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर सबको चौंका दिया था। इसके बाद उन्होंने लगातार अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दुनिया को प्रभावित किया। आईपीएल 2026 में उन्होंने 776 रन बनाते हुए सीजन के सबसे ज्यादा छक्के लगाए और सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का खिताब भी अपने नाम किया।

रिकॉर्ड्स की झड़ी और क्रिकेट जगत में पहचान

13 साल की उम्र में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा और यहीं से उनका ग्राफ तेजी से ऊपर गया। आईपीएल में उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाकर टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक बनाया। इसके अलावा अंडर-19 वर्ल्ड कप में उन्होंने 80 गेंदों पर 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेली, जिससे भारत ने खिताब जीता। भारत ए के लिए खेलते हुए उन्होंने 29 गेंदों पर 94 रन बनाकर भी चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। विशेषज्ञों के अनुसार वैभव की बल्लेबाजी में ताकत, टाइमिंग और तकनीक का अनोखा संयोजन है। उनका ऊंचा बैकलिफ्ट और कलाईयों का इस्तेमाल उन्हें बड़े शॉट खेलने में मदद करता है। गेंदबाजों के मुताबिक वह 145 किमी प्रति घंटे की गेंदों को भी आसानी से स्टैंड्स में भेज देते हैं। क्रिकेट विश्लेषकों ने उनकी तुलना ब्रायन लारा, विवियन रिचर्ड्स और जोस बटलर जैसे महान बल्लेबाजों से की है। अगर वैभव आयरलैंड के खिलाफ डेब्यू करते हैं, तो वह बेहद कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जाएंगे। सचिन तेंदुलकर ने 16 साल 205 दिन की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था, जबकि हसन रजा अब तक सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में गिने जाते हैं।

फीफा विश्व कप 2026 में बड़ा उलटफेर

इक्वाडोर ने जर्मनी को हराया, आइवरी कोस्ट ने भी बनाई अंतिम-32 में जगह

नई दिल्ली, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई में गुरुवार को खेले गए दोनों मुकाबलों के बाद नॉकआउट चरण की तस्वीर साफ हो गई। इक्वाडोर ने चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को 2-1 से हराकर शानदार अंदाज में अंतिम-32 का टिकट हासिल किया, जबकि आइवरी कोस्ट ने कुराकाओ को 2-0 से मात देकर अपने इतिहास में पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

आइवरी कोस्ट ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में निकोलस पेपे ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ में 1-0 से आगे रहने के बाद दूसरे हाफ में भी एलिफेंट्स ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। कुराकाओ ने बराबरी की भरसक कोशिश की, लेकिन आइवरी कोस्ट की मजबूत डिफेंस के सामने उसे कोई सफलता नहीं मिली। 64वें मिनट में निकोलस पेपे ने अपना दूसरा गोल दागकर टीम की जीत पक्की कर दी। इसके साथ ही आइवरी कोस्ट ने 2-0 से मुकाबला जीतकर ग्रुप-ई में उपविजेता के रूप में नॉकआउट चरण में जगह बनाई। विश्व कप में पहली बार खेल रही कुराकाओ की टीम हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई, लेकिन उसने अपने पहले ही अभियान में शानदार संघर्ष दिखाया। खासकर इक्वाडोर के खिलाफ हासिल किया गया ड्रॉ उसकी यादगार उपलब्धियों में शामिल रहेगा।

इक्वाडोर बनाम जर्मनी

ग्रुप-ई के दूसरे मुकाबले में इक्वाडोर ने जबरदस्त वापसी करते हुए जर्मनी को 2-1 से हराकर सभी को चौंका दिया। मैच की शुरुआत में ही दूसरे मिनट में लेरॉय साने ने गोल कर जर्मनी को बढ़त दिला दी, लेकिन इक्वाडोर ने दबाव में आने के बजाय शानदार जवाब दिया। नौवें मिनट में निल्सन अंगुलो ने बराबरी का गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। पहले हाफ के बाद मुकाबला बराबरी पर रहा, लेकिन दूसरे हाफ में इक्वाडोर ने लगातार आक्रामक खेल जारी रखा। 77वें मिनट में गोंजालो प्लाटा ने शानदार गोल दागकर टीम को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिला दी। इसके बाद जर्मनी ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन इक्वाडोर की रक्षापंक्ति ने कोई मौका नहीं दिया और अंतिम सीटी बजते ही दक्षिण अमेरिकी टीम ने विश्व फुटबॉल की सबसे बड़ी टीमों में से एक पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ इक्वाडोर ने ग्रुप-ई में शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉकआउट चरण के लिए क्वालिफाई किया, जबकि पहले ही अंतिम-32 में जगह बना चुकी जर्मनी को टूर्नामेंट में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा।

विश्वकप ट्रॉफी हुई और कीमती, चार साल में दोगुना बढ़ा मूल्य

फीफा विश्व कप ट्रॉफी की कीमत पिछले विश्व कप 2022 के बाद से काफी बढ़ गई है। सोने के दाम में आई तेजी के कारण ट्रॉफी में मौजूद सोने का मूल्य अब करीब 7.13 लाख डॉलर (लगभग छह करोड़ रुपये) पहुंच गया है, जो चार साल पहले इसकी कीमत से दोगुने से भी ज्यादा है। फीफा विश्व कप ट्रॉफी 6.175 किलोग्राम 18 कैरेट सोने से तैयार की गई है, जिसमें लगभग 4.93 किलोग्राम शुद्ध सोना शामिल है। हाल के वर्षों में वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक अनिश्चितता और धीमी आर्थिक वृद्धि के कारण सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है, जिसका असर ट्रॉफी के मूल्य पर भी पड़ा है। एलएसईजी मेटल्स रिसर्च के प्रमुख विश्लेषक देबजीत साहा ने कहा कि हाल के दिनों में सोने की कीमतें अपने उच्चतम स्तर से कुछ नीचे आई हैं, लेकिन लंबी अवधि में इसकी कीमतों में हुई वृद्धि बेहद उल्लेखनीय रही है। उन्होंने कहा, %खिलाड़ियों के लिए फीफा विश्व कप ट्रॉफी की कीमत अनमोल है, लेकिन इसके सोने की मौजूदा कीमत यह दिखाती है कि वर्षों में सोने का मूल्य कितना बढ़ चुका है।% कतर विश्व कप 2022 में जब अर्जेंटीना ने ट्रॉफी जीती थी, तब इसकी कीमत लगभग 2.77 लाख डॉलर थी। 1974 में जब मौजूदा डिजाइन की ट्रॉफी पहली बार पेश की गई थी, तब इसके सोने का मूल्य करीब 25 हजार डॉलर था। अब इसकी कीमत बढ़कर 7.13 लाख डॉलर (लगभग छह करोड़ रुपये) तक पहुंच गई है।

रोमांच वैभव का और निगाहें टीम संयोजन पर

टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद टीम इंडिया की युवा ब्रिगेड आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज से नए दौर की शुरुआत करने जा रही है। श्रेयस अय्यर पहली बार इस टीम की कमान संभालेंगे, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हालिया क्रिकेट बम यानी 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को लेकर है।मतलब साफ है कि भले ही आयरलैंड के खिलाफ होने वाली इस सीरीज में दोनों टीमों के बीच मैदानी रोमांच देखने को न मिले लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया के नये टी20 आगाज पर टकटकी पूरे क्रिकेट जगत की रहने वाली है।आज से शुरू होने वाली इस सीरीज का सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या 15 वर्षीय युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का मौका मिलेगा या फिर उन्हें अभी इंतजार करना पड़ेगा।वहीं मैच की पूर्व संध्या पर बल्लेबाजी कोच कोटक के बयान से भले ही यह लग रहा हो कि सूर्यवंशी को मौका देने के लिए टीम मैनेजमेंट को कोई जल्दी नहीं है लेकिन सच तो यह है कि अगर आयरलैंड के खिलाफ टीम मैनेजमेंट कोई प्रयोग नहीं करती है तो फिर मजबूत इंग्लैंड से होने वाली सीरीज में कोई भी बड़े फेरबदल की आस रखना थोड़ा अटपटा फैसला भी हो सकता है।टीम मैनेजमेंट के जहन में क्या है यह तो इस सीरीज के दो मैचों में नजर आ ही जायेगा,लेकिन मेरे नजरिये में वैभव को पहला मौका आयरलैंड में ही दिया जाना चाहिए।दरअसल टीम मैनेजमेंट और कप्तान के लिए वैभव को एकादश में शामिल करने के लिए टीम इंडिया की सबसे सफल टी20 ओपनिंग जोड़ी में बदलाव करना पड़ेगा या फिर टीम संयोजन में सिर्फ 5 गेंदबाजी के नये फॉर्मूले को आजमाना होगा। दरअसल संजू सैमसन टी20 वर्ल्ड कप में %प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे ऐसे में उनके बल्लेबाजी क्रम से छेड़खानी कर या फिर अभिषेक शर्मा की जगह वैभव को मौका देने का फैसला मैनेजमेंट के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है।वैसे भी ईशान किशन भी बेहतरीन फॉर्म में है और उसके बाद कप्तान श्रेयष अय्यर व उपकप्तान तिलक वर्मा का बल्लेबाजी क्रम में कोई भी उठापटक की गुंजाइश न के बराबर है।मतलब साफ है कि टीम इंडिया अगर वैभव सूर्यवंशी को मौका देना चाहती है तो फिर उसके पास विकल्प सिर्फ ओपनिंग जोड़ी में बदलाव या फिर टीम संयोजन में फेरबदल व संजू सैमसन का बल्लेबाजी क्रम बदलकर 5 गेंदबाजी विकल्प और 2 पार्टटाइम गेंदबाज(तिलक,अभिषेक) के नये फार्मूले का दांव चलना पड़ेगा। मेरे नजरिये में कम से कम टी20 फॉर्मेट में यह फार्मूला भी बेहद कारगर साबित हो सकता है।टीम मैनेजमेंट का नजरिया अगर इस तरह के फार्मूले को आजमाने का नहीं रहता तो फिर एक बात तय है कि टीम इंडिया के इस टी20 टैलेंटेड युग में रोटेशन पद्धति को ही अपनाना पड़ेगा।वजह एकदम साफ है कि जब वैभव जैसे क्रिकेट बम को जगह देने के लिए टीम प्रबंधन को बड़ा फैसला लेना पड़ रहा है तो फिर जब टीम इंडिया के दरवाजे पर टैलेंट की भरमार होगी तो फिर एक साथ सभी खिलाड़ियों को मौका देना नामुमकिन होगा।ऐसे में रोटेशन के जरिये ही सभी युवा और स्थापित खिलाड़ियों के साथ सामंजस्य बैठाया जा सकेगा। खैर यह नजरिया ओर सोच मेरी अपनी है और टीम मैनेजमेंट व भारतीय क्रिकेट बोर्ड इसको कैसे डील करता है यह तो वक्त ही बतायेगा।फिर भी आज का सच यही है कि टीम इंडिया और आयरलैंड के बीच आज बेलफ़ास्ट के मैदान पर होने वाले पहले टी20 मुकाबले को लेकर क्रिकेट के चाहने वाले दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।एक ओर जहां दर्शकों का सबसे बड़ा सवाल वैभव के रोमांच को मैदान पर देखने का है। जबकि भारतीय क्रिकेट के जानकारों के लिए टीम इंडिया का संयोजन और निगाहें उसके नये फॉर्मूले पर रहेंगी।भले ही बल्लेबाजी कोच कोटक ने मैच के एक दिन पहले ही टीम मैनेजमेंट के इरादे जता दिये हों, फिर भी आज के टी20 मुकाबले से पहले वैभव का संभावित डेब्यू ही टॉस के पहले तक चर्चा का सबसे बड़ा केंद्र रहने वाला है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

मां होने का दर्द : जब बेटी ने साथ सोने से किया इनकार, छलक उठा स्मिता का दिल

मुंबई। टेलीविजन अभिनेत्री स्मिता बंसल ने हाल ही में एक टीवी टॉक शो में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा ऐसा अनुभव साझा किया, जिसने हर कामकाजी मां के संघर्ष को सामने ला दिया। लोकप्रिय धारावाहिक बालिका वधू में %सुमित्रा% का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री ने बताया कि अपने करियर की व्यस्तताओं के कारण उन्हें कई बार परिवार और बच्चों से दूर रहना पड़ा, जिसका दर्द आज भी उनके दिल में है। एक टीवी कार्यक्रम में बातचीत के दौरान स्मिता ने कहा कि एक कलाकार के रूप में वह हमेशा अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रही हैं। लंबे शूटिंग शेड्यूल और लगातार प्रोफेशनल जिम्मेदारियों के कारण कई बार उन्हें अपने परिवार और बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाने का अफसोस रहा। उन्होंने स्वीकार किया कि एक मां के रूप में यह उनके जीवन की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रही है। स्मिता ने एक बेहद भावुक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक बार जब वह शूटिंग से लौटकर घर आईं तो उन्होंने अपनी बेटी को खुद सुलाने का फैसला किया। लेकिन उस समय उनकी बेटी ने उनके साथ सोने से मना कर दिया और अपनी दादी के साथ सोने की इच्छा जताई। अभिनेत्री ने कहा कि उस पल उन्हें महसूस हुआ कि लगातार काम में व्यस्त रहने के कारण उनके और बेटी के बीच भावनात्मक दूरी आ गई है।

किरदारों ने सिखाया जीवन का सच

अभिनेत्री ने कहा कि अपने करियर में उन्होंने कई मजबूत महिला किरदार निभाए हैं, जिन्होंने उन्हें जीवन की वास्तविक ताकत को समझने में मदद की। उनके अनुसार असली मजबूती बड़े-बड़े शब्दों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में किए जाने वाले त्याग, धैर्य और जिम्मेदारियों को निभाने में छिपी होती है। स्मिता का मानना है कि महिलाएं अक्सर बिना शिकायत किए परिवार और जिम्मेदारियों के लिए बहुत कुछ त्याग देती हैं। उन्होंने कहा कि समय के साथ वह अपने निभाए गए किरदारों से खुद को जोड़ने लगी हैं, क्योंकि वास्तविक जीवन में भी उन्हें वही संघर्ष और जिम्मेदारियां महसूस हुईं। बता दें कि स्मिता ने वर्ष 2002 में अंकुश मोहला से विवाह किया था और उनकी दो बेटियां हैं, जिनके साथ समय बिताना आज उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल है।

अक्षय पर अक्षरा सिंह बोलीं, दुनिया उनके स्टारडम की करती है तारीफ

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अपनी आगामी फिल्म वेलकम टू द जंगल के एक कार्यक्रम में अक्षय कुमार के साथ मंच साझा करने के बाद उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने इस पल को ÷सपना सच होने जैसा÷ बताया और कहा कि वह अभिनेता की विनम्रता और सादगी की प्रशंसक हैं। मुरादाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अक्षय कुमार के साथ मंच साझा करते हुए कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने लिखा, खिलाड़ी कुमार के साथ यादगार मुरादाबाद। कभी अक्षय कुमार सर को स्क्रीन पर देखकर तालियां बजाती थी, आज उनके साथ मंच साझा कर रही हूं।÷ अभिनेत्री ने आगे कहा÷उनकी स्टारडम दुनिया देखती है, लेकिन मुझे उनकी सादगी और विनम्रता ने सबसे ज्यादा प्रेरित किया है। उनकी मौजूदगी बेहद प्रभावशाली है, लेकिन उनकी इंसानियत उससे भी ज्यादा खूबसूरत है। मैं बेहद आभारी हूं। इसे संभव बनाने के लिए अपने परिवार और प्रशंसकों के समर्थन, प्यार और आशीर्वाद का दिल से धन्यवाद। फिल्म वेलकम टू द जंगल में अक्षरा सिंह और अक्षय कुमार ÷घिस घिस घिस÷ नामक गीत में साथ नजर आएंगे। फिल्म में सुनील शेट्टी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी, जैकी श्रॉफ, दलेर मेहंदी, मीका सिंह, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पटानी, उर्वशी रौतेला, फरीदा जलाल, कृष्णा अभिषेक, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, विंदू दारा सिंह, किरण कुमार, किकू शारदा, फिरोज खान , सुदेश बेरी और व्रीही कोडवारा भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

मेट्रो बाजार

एमओएसपीआई ने जीआरएएम के साथ की साझेदारी

एम्बार्क इंडिया डेवलपमेंट फेलोशिप प्रस्ताव के तहत नियुक्त होंगे दो फेलो

नई दिल्ली। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने ग्रासरूट्स रिसर्च एंड एडवोकेसी मूवमेंट के साथ एम्बार्क इंडिया डेवलपमेंट फेलोशिप प्रस्ताव के तहत दो फेलो की नियुक्ति के लिए एक स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में दी गई। बयान में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य फेलो के कौशल और विशेषज्ञता का उपयोग मंत्रालय के कार्यों में करना है, साथ ही उन्हें सार्वजनिक नीति और प्रशासन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना भी है। यह सहयोगी पहल मंत्रालय और जीआरएएम के बीच एक ऐसा मंच तैयार करेगी, जहां शोध-आधारित और प्रेरित युवा सीधे मंत्रालय के साथ काम करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत फेलो चल रही या नई परियोजनाओं में सहयोग करेंगे, शोध के माध्यम से नवाचारपूर्ण समाधान विकसित करने में योगदान देंगे और विकास, क्षमता निर्माण तथा प्रशासन से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान खोजने में मदद करेंगे। एम्बार्क इंडिया डेवलपमेंट फेलोशिप (ईआईडीएफ) एक राष्ट्रीय नेतृत्व और क्षमता निर्माण कार्यक्रम है, जिसे जीआरएएम ने %विकसित भारत 2047% के विजन के अनुरूप शुरू किया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पेशेवरों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को सीधे सरकारी संस्थानों और विकास एजेंसियों से जोड़ना है, ताकि वे क्षमता निर्माण, प्रशासन और सार्वजनिक नीति से जुड़ी चुनौतियों पर काम कर सकें। यह फेलोशिप कुल 18 महीनों की होगी, जिसमें 6 महीने की संस्थागत नियुक्ति शामिल है।

केंद्र ने 2026 में अब तक सरकारी कंपनियों के ओएफएस के जरिए जुटाए 25,000 करोड़

नई दिल्ली। केंद्र ने सरकारी कंपनियों में ऑफ फॉर सेल (ओएफएस) लाकर 2026 में अब तक 25,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटा ली है। यह बीते एक दशक में सरकार द्वारा ओएफएस के जरिए जुटाई गई सबसे अधिक राशि है। यह जानकारी मार्केट डेटा में दी गई। प्राइम डेटाबेस के डेटा के मुताबिक, केंद्र सरकार ने 2026 में आठ सूचीबद्ध पीएसयू में अपनी हिस्सेदारी बेचकर लगभग 25,491 करोड़ रुपए जुटाए। यह 2015 के बाद से पीएसयू ओएफएस इश्यू के जरिए जुटाई गई सबसे बड़ी रकम है। सरकार ने 2015 में पांच लिस्टेड कंपनियों में हिस्सेदारी बेचकर लगभग 35,291 करोड़ रुपए जुटाए थे।

प्राइवेट सेक्टर के इश्यू को मिलाकर, इस साल अब तक कुल 24 लिस्टेड कंपनियों ने ओएफएस के जरिए लगभग 29,445 करोड़ रुपए जुटाए हैं। यह आंकड़ा 2024 में 28 कंपनियों द्वारा जुटाए गए 30,178 करोड़ रुपए के करीब है और साथ ही, यह 2015 में 19 कंपनियों द्वारा जुटाए गए 35,566 करोड़ रुपए के अब तक के उच्चतम से भी बहुत दूर नहीं है।

केंद्र ने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएस), इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन (आईआरएफसी), सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, एनएचपीसी, एनएलसी इंडिया और जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया जैसी सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी बेची है। वहीं प्राइवेट सेक्टर में भी ओएफएस मार्केट का इस्तेमाल किया गया है। जानकारों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण घरेलू शेयर बाजार में अस्थिरता के बावजूद, ओएफएस लॉन्च के बाद पीएसयू शेयरों का प्रदर्शन आम तौर पर औसत रहा है।

भारत में वेनेजुएला के भूकंप पीड़ितों के लिए प्रार्थना

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सैंड आर्टिस्ट और पद्मश्री सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी समुद्र तट पर एक विशेष कलाकृति बनाई है। उन्होंने वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। इस प्रभावशाली सैंड आर्ट के जरिए उन्होंने पूरी दुनिया को एकजुट होने का संदेश दिया है। सुदर्शन पटनायक ने लोगों से वेनेजुएला के लिए प्रार्थना करने और भूकंप पीड़ितों की हर संभव मदद करने का आह्वान किया है। वेनेजुएला में बुधवार शाम दो भूकंप आए थे। इस प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या अब बढ़कर 235 हो गई है। फिलहाल वहां हालात बेहद खराब हैं।

न्यूज विंडो

सुविधा : श्रीनगर जाने वाली ट्रेनें अब 100 KM की स्पीड से दौड़ेंगी

जम्मू। कश्मीर घाटी की रेल सेवाओं को और अधिक तेज, सुरक्षित तथा सुविधाजनक बनाने की दिशा में उत्तर रेलवे ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जम्मू मंडल के अंतर्गत आने वाले कश्मीर संभाग के बनिहाल-काजीगुंड सिंगल लाइन विद्युतीकृत रेलखंड पर ट्रेनों की अधिकतम अनुमेय गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा से बढ़ाकर 100 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है। इस निर्णय से घाटी में रेल यात्रा करने वाले देश विदेश के यात्रियों को लाभ मिलेगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार लगभग 17 किलोमीटर लंबे उक्त महत्वपूर्ण रेलखंड पर गति सीमा बढ़ने से ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारू होगा और यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी।

जस्टिस प्रतिभा सिंह IP हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली पहली भारतीय

नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह को इंटरनेशनल आईपी ऑफ फेम 2026 में शामिल किया गया है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय जज को इसमें सम्मानित किया है। यह सम्मान जस्टिस प्रतिभा सिंह को हाल ही में अमेरिका के कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया। जस्टिस सिंह को भारत में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (बौद्धिक संपदा) कानून के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती इनोवेशन वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक में आईपी कानून के विकास स्पष्टता और विश्वसनीयता में अहम भूमिका निभाई है।

दिल्ली में आवारा पशु के हमले से बीजेपी की महिला पार्षद घायल

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में बीजेपी पार्षद शशि चंदना पर आवारा जानवर ने हमला कर दिया, जिसमें उनके सिर में गंभीर चोट आई है। फिलहाल उनका इलाज पूर्वी दिल्ली में चल रहा है। मंडावली वॉर्ड से एमसीडी पार्षद और बीजेपी नेता शशि चंदना को एक आवारा जानवर ने हमला कर दिया। यह घटना सुबह करीब 10 बजे हुई, जब वह अपने इलाके में एक मंदिर से वापस लौट रही थीं। शशि चंदना ने बताया कि जानवर सामने से दौड़ता हुआ आया और उन्हें हवा में उछाल दिया। इससे उनका सिर सड़क पर लगा और उन्हें और भी चोटें आईं। शशि चंदना के पति मोहन चंदना ने बताया कि उनका इलाज पूर्वी दिल्ली के निर्माण विहार स्थित एक नर्सिंग होम में चल रहा है।

नरेंद्र मोदी कैबिनेट में जल्द होगा बड़ा फेरबदल

टीएमसी-शिवसेना के बागियों को कैबिनेट में मिल सकती है जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठन में अगले कुछ दिनों में बड़े स्तर पर फेरबदल हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में मंत्रिमंडल के विस्तार और संगठनात्मक बदलाव दोनों पर गंभीरता से मंथन चल रहा है। इस कवायद में कुछ नए चेहरों को सरकार में जगह मिल सकती है, जबकि कुछ मौजूदा मंत्रियों की जिम्मेदारियां बदली जा सकती हैं।

सूत्रों के अनुसार, हाल के राजनीतिक घटनाक्रम के बाद एनडीए का कुनबा मजबूत हुआ है। ऐसे में सहयोगी दलों और हाल में एनडीए के साथ आए नेताओं को भी सरकार में प्रतिनिधित्व देने की तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से कुछ अहम नेताओं के नाम चर्चा में हैं। सूत्रों का कहना है कि शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद श्रीकांत शिंदे को केंद्रीय मंत्रिमंडल में कैबिनेट रैंक के साथ शामिल किया जा सकता है। वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए सांसदों में काकोली घोष, सुदीप बंदोपाध्याय और शताब्दी राय के नामों पर भी विचार चल रहा है। इनमें से किसी एक को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। इसके अलावा शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग हुए सांसद संजय दीना पाटिल का नाम भी संभावित मंत्रियों की सूची में बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि सहयोगी दलों और नए राजनीतिक साथियों को उचित प्रतिनिधित्व देकर एनडीए अपने राजनीतिक विस्तार को और मजबूत करना चाहता है।

मंत्रिमंडल में पंजाब का बढ़ेगा कोटा राघव समेत 3 नेताओं के नाम पर चर्चा

मोदी के मंत्रिमंडल फेरबदल में पंजाब की लॉटरी लग सकती है। पंजाब में विधानसभा चुनाव बेहद निकट हैं। आम आदमी पार्टी शासित पंजाब से अभी केंद्रीय मंत्रिमंडल में सिर्फ रवनीत सिंह बिट्टू हैं। वे केंद्रीय राज्य मंत्री हैं। सियासी हलकों में चर्चा है कि मिशन पंजाब में जुटी बीजेपी राज्य को अधिक प्रतिनिधित्व दे सकती है। रवनीत की जगह पर किसी नए चेहरे को मौका मिल सकता है। सूत्रों का दावा है कि पंजाब को दो से तीन मंत्री मिल सकते हैं। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में पंजाब की प्रतिनिधित्व कम रहा है। 2014 के बाद शिरोमणि अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री बनी थीं।

कुछ मंत्रियों का बदलेगा रोल

सूत्रों के मुताबिक, केवल नए मंत्रियों की नियुक्ति ही नहीं, बल्कि कुछ मौजूदा मंत्रियों की जिम्मेदारियां भी बदली जा सकती हैं। उत्तर प्रदेश और दिल्ली बीजेपी की कमान संभाल चुके पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को संगठन में अधिक सक्रिय भूमिका देने के लिए केंद्र सरकार से मुक्त किया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो उनके स्थान पर नए चेहरों को मंत्री बनाया जा सकता है। जानकारी यह भी है कि भाजपा सरकार में शामिल कुछ वरिष्ठ नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारी देने की रणनीति पर काम कर रही है। इसके बदले सरकार में अपेक्षाकृत युवा नेताओं को अवसर देकर नेतृत्व की नई पीढ़ी तैयार करने की कोशिश की जा सकती है। सिर्फ सरकार ही नहीं, बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में भी व्यापक बदलाव की संभावना जताई जा रही है. सूत्रों के अनुसार, पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर कम से कम दो महिला उपाध्यक्षों की नियुक्ति कर सकती है।

ठाणे में नवजात बेटी की हत्या के आरोप में महिला को उम्रकैद

अपराध छिपाने के लिए पिता को चार 4 की जेल की सजा

ठाणे, एजेंसी

अपनी 18 महीने की बेटी की हत्या करने वाली महिला को ठाणे की एक अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने बच्ची के पिता को अपराध छिपाने और बच्ची को जल्दबाजी में दफनाकर साक्ष्य मिटाने के लिए चार साल जेल की सजा सुनाई। सेशन जज आरडी सावंत ने बचाव पक्ष की दलील को खारिज कर दिया कि बच्ची की मौत त्वचा की दुर्लभ बीमारी से हुई थी। अभियोजन पक्ष ने मेडिकल साक्ष्यों और दंपती की दो अन्य बेटियों के बयानों के आधार पर मजबूती से पक्ष रखा। दोनों बेटियों ने अपनी मां को रसोई के चाकू से नवजात पर हमला करते देखा था। नाबालिगों की गवाही को स्वीकार करते हुए, अदालत ने माना कि बच्चों की भरोसेमंद गवाही किसी को दोषी ठहराने का एकमात्र आधार हो सकती है। अदालत ने नूरानी खातून जाहिद शेख को धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी ठहराया। बच्चे के पिता, जाहिद सलामत शेख को साक्ष्य मिटाने का दोषी पाया गया। बच्ची की हत्या मार्च, 2024 में ठाणे ज़िले के मुंब्रा इलाके में की गई थी। पुलिस को तस्वीरों के साथ गुमनाम शिकायत मिलने के बाद यह मामला सामने आया, जिसके बाद गहन फोरेंसिक जांच की गई और स्थानीय कब्रिस्तान से बच्ची का शव बाहर निकाला गया। बचाव पक्ष ने दावा किया कि बच्चे की मृत्यु एपिडर्मोलिसिस बुलोसा नामक आनुवंशिक बीमारी के कारण हुई थी।

स्विट्जरलैंड में पाक आर्मी चीफ को मारने का था प्लान

नई दिल्ली। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने स्विट्जरलैंड में ईरान शांति वार्ता के दौरान पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर और उनके डेलिगेशन की हत्या की साजिश रची थी। यह दावा ब्राजील के पत्रकार पेपे एस्कोबार ने एक पॉडकास्ट में किया है। पत्रकार के दावे के मुताबिक पाकिस्तानी अधिकारियों को जब ये बात पता चली तो उन्होंने धमकी दी जिसके बाद इजराइल को अपना प्लान बदलना पड़ा। यह दावा उस समय से जुड़ा है जब पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में मौजूद थे। वहीं ईरान और अमेरिका के बीच पश्चिम एशिया के संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत का पहला दौर पूरा हुआ था।

जैश की संदिग्ध महिला स्लीपर सेल गिरफ्तार पाक आतंकी से किया था ऑनलाइन निकाह

जयपुर, एजेंसी

जयपुर में पिछले दिनों गिरफ्तार पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की महिला स्लीपर सेल बबीता उर्फ खदिजा (38) ने पाकिस्तानी आतंकी हैंडलर अबू उबेदाह से इंटरनेट मीडिया पर निकाह किया था। अबू प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का करीबी माना जाता है।

सूत्रों के अनुसार, बबीता ने पूछताछ में स्वीकार किया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उसने इंटरनेट मीडिया पर पाकिस्तानी आतंकियों के बारे में पढ़ना शुरू किया था। इसी दौरान वह जैश के हैंडलर्स के संपर्क में आई थी। वह भारत में महिला स्लीपर सेल तैयार करने की कोशिश में जुटी थी। बबीता को 20 जून को राजस्थान एटीएस और सेना की गुप्तचर शाखा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उसके घर से गिरफ्तार किया था। मूलरूप से सवाई माधोपुर जिले की निवासी बबीता जयपुर में माता-पिता और भाई के साथ रहती थी। करीब दो साल पहले उसका पति से तलाक हो गया था। जैश के हैंडलर्स के संपर्क में आने पर उन्होंने बबीता का ब्रेन वाश किया, जिसके बाद उसने पाकिस्तानी मौलवी से आनलाइन कलमा पढ़ना सीखा। बबीता ने धर्म परिवर्तन भी किया और अपना नाम बदलकर खदिजा रख लिया। उसने आतंकी हैंडलर अबू उबेदाह से आनलाइन निकाह भी कर लिया।

6 साल, 6 महीने, 22 दिन और 16 पासपोर्ट से बेंगलुरु के बेनी प्रसाद ने घूम ली पूरी दुनिया

बेंगलुरू, एजेंसी

बेंगलुरु में जन्मे फेमस गिटारवादक और संगीतकार बेनी प्रसाद ने मात्र 6 साल, 6 महीने और 22 दिनों के भीतर अंटार्कटिका समेत पूरी दुनिया घूम ली। उन्होंने सबसे कम समय में वैश्विक भ्रमण का एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। अपने जीवन भर के यात्रा रिकॉर्ड को दिखाते हुए वह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक इंस्टाग्राम वीडियो में संगीतकार बेनी प्रसाद अपने 16 भारतीय पासपोर्टों को दिखाते नजर आ रहे हैं। पासपोर्ट पर अंटार्कटिका सहित छह महाद्वीपों की प्रवेश, वीजा, सील और इमिग्रेशन की मुहरें लगी हुई हैं। संगीतकार बेनी प्रसाद का दावा है कि मैं भारत से हूं, और मैंने सबसे कम समय में अंटार्कटिका सहित 245 देशों की यात्रा की है। जिनमें संप्रभु और आश्रित दोनों देश शामिल हैं। एमटीपी (मोस्ट ट्रैवल्ड पीपल) द्वारा साझा किए गए वीडियो में, प्रसाद ने वीजा आवश्यकताओं और अन्य कागजी कार्रवाई से जुड़ी चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। वीडियो के कैप्शन में लिखा था कि संगीतकार और विश्व यात्री बेनी प्रसाद पृथ्वी के हर देश का दौरा करने वाले सबसे तेज व्यक्ति बन गए हैं, उन्होंने यह यात्रा मात्र 6 साल, 6 महीने और 22 दिनों में पूरी की। 16 पासपोर्टों के इस ढेर ने सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान खींचा है, क्योंकि यूजर्स सोच रहे हैं कि इस तरह का रिकॉर्ड बनाने के लिए उन्हें कितनी कागजी कार्रवाई, इंतजार और सीमा पार करनी पड़ी होगी।

मेट्रो एंकर

एसीएस और सीडीसी की रिपोर्ट में खुलासा

अमेरिका में घटी कैंसर मृत्यु दर, गांव अब भी पीछे

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने कैंसर के खिलाफ लड़ाई में पिछले तीन दशकों में बड़ी सफलता हासिल की है। 1991 से 2022 के बीच देश में कैंसर से होने वाली मौतों की दर में 34 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जिससे अनुमानित 45 लाख लोगों की जान बची। बेहतर स्क्रीनिंग, आधुनिक इलाज, जागरूकता अभियानों और रोकथाम संबंधी नीतियों ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई है। लेकिन एक नए अध्ययन ने इस सफलता के पीछे छिपी गहरी असमानता को उजागर किया है। अमेरिकन कैंसर सोसायटी (एसीएस) और रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) द्वारा किए गए शोध के अनुसार, कैंसर से मौतों में कमी का लाभ

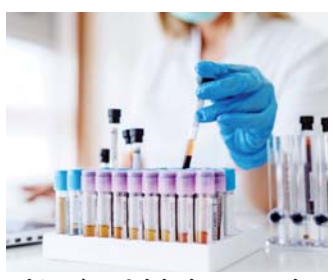

अमेरिका के सभी क्षेत्रों को समान रूप से नहीं मिला। बड़े शहरों और समृद्ध इलाकों में मृत्यु दर तेजी से घटी, जबकि सैकड़ों ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार बेहद धीमा रहा। चिंताजनक बात यह है कि 458 ग्रामीण काउंटी ऐसी हैं, जहां कैंसर से मौतों की दर घटने के बजाय बढ़ गई। रिपोर्ट के अनुसार किसी क्षेत्र की आर्थिक स्थिति कैंसर से बचाव और उपचार की उपलब्धता पर गहरा असर डालती है। 1991 में अमीर-गरीब क्षेत्रों के बीच कैंसर मृत्यु दर में बड़ा अंतर नहीं था, लेकिन समय के साथ यह खाई बढ़ती गई। 2019 तक सबसे अधिक आय वाले क्षेत्रों में रहने वालों को कैंसर मृत्यु दर में जो लाभ मिला, वह सबसे कम आय वाले क्षेत्रों की तुलना में 7 गुना अधिक था।

वहीं, अमेरिका के मिसिसिपी स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रो. आर्थर कॉस्बी ने कहा कि चुनौती अब इलाज नहीं, पहुंच की है यदि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष स्क्रीनिंग कार्यक्रम, मजबूत तंबाकू नियंत्रण नीतियां और उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित की जाए, तो कैंसर से होने वाली मौतों में और बड़ी कमी लाई जा सकती है।

वैज्ञानिकों की रिसर्च में यह है खास

- सामाजिक वैज्ञानिकों की एक टीम ने 1981 से 2019 के बीच अमेरिका की लगभग 3,000 काउंटी के आंकड़ों का विश्लेषण किया।
- अध्ययन में पाया गया कि न्यूयॉर्क, बोस्टन, वॉशिंगटन डीसी, सैन फ्रांसिस्को, लॉस एंजिलिस, सिएटल और मियामी जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में कैंसर मृत्यु दर में उल्लेखनीय गिरावट आई।
- न्यूयॉर्क सिटी के मैनहट्टन, क्वींस, ब्रुकलिन और ब्रॉन्क्स में 1991 से 2019 के बीच कैंसर से मौतों में 40 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई।
- सबसे बेहतर प्रदर्शन मैनहट्टन का रहा, जहां मृत्यु दर में 47% गिरावट आई।
- इसी तरह सैन फ्रांसिस्को बे एरिया के समृद्ध इलाकों में भी राष्ट्रीय औसत से अधिक सुधार देखा गया।

ऑस्ट्रेलिया : बैन के बाद भी 85% बच्चे सोशल मीडिया पर एक्टिव

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए लागू सोशल मीडिया प्रतिबंध के बावजूद इसके अपेक्षित परिणाम अभी तक स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक नए अध्ययन के अनुसार, कानून लागू होने के छह महीने बाद भी 85 प्रतिशत से अधिक नाबालिग बच्चे टिकटॉक, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं।

यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूकैसल की शोधकर्ता कोर्टनी बार्नेस के नेतृत्व में किया गया और इसे ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इसमें 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के 408 किशोरों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण दो चरणों में किया गया, (कानून लागू होने से पहले और तीन महीने बाद) ताकि इसके प्रभाव का तुलनात्मक आकलन किया जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंध के बाद भी अधिकांश बच्चे अपने व्यक्तिगत खातों के जरिए सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं। करीब दो-तिहाई प्रतिभागियों ने बताया कि उन्हें आयु सत्यापन प्रक्रिया का सामना करना पड़ा, लेकिन यह अधिकतर केवल उम्र पूछने तक सीमित रहा, जिससे इसे आसानी से दरकिनार किया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564